हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 31 मई 2026

तापमान
अधिकतम 37 .8 डिग्री
न्यूनतम 20 .9 डिग्री

12 तकनीकी खराब के कारण समय पर शुरू ...

12 मानसून से पहले मेयर ने लिया सफाई का जायजा

खबर संक्षेप

फर्जी दस्तावेजों से प्रॉपर्टी आईडी बनवाने का आरोप

यमुनानगर। शहर के यमुना गली निवासी ललित आर्य ने मनीष गर्ग व उसकी पत्नी पूजा घर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर मकान की प्रॉपर्टी आईडी अपने नाम करवाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी दंपति के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। कैनाल रेस्ट हाउस रोड यमुना गली निवासी ललित आर्य ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका यमुना गली में मकान है। आरोपी मनीष गर्ग व उसकी पत्नी पूजा गर्ग ने उसके मकान के फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्रॉपर्टी आईडी अपने नाम करवा ली।

स्टील की रेलिंग चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। पुलिस ने मटका चौक से स्टील की रेलिंग चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पुलिस ने अदालत में पेश कर जांच शुरु कर दी है। राजेश कॉलोनी जगाधरी निवासी किशन पंवार ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उनकी अरोडा वंश समाज के नाम से संस्था है। उनकी संस्था ने जनवरी 2023 में मटका चौक पर राष्ट्रीय ध्वज लगाया गया था। जिसकी लंबाई लगभग 70 फिट थी। जिसकी चार दिवारी स्टील की रेलिंग द्वारा कि हुई थी । गत 19 मई को उनको पता चला कि वहां जो चारदीवारी स्टील की रैलिंग से की हुई थी वहां लगभग 15 से 20 फुट रैलिंग गायब है। गत 17 मई की रात को किसी नाम पता नामालुम चोरों ने स्टील की रैलिंग उखाड़कर चोरी कर कर ली है।

जानलेवा हमला करने का पांचवा आरोपी पकड़ा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस ने चाय की दुकान पर युवकों पर जानलेवा हमला कर मारपीट करने के मामले में पांचवें आरोपी अनमोल (गांव टाटका) को गिरफ्तार किया है। 26 मई को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर बाबैन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि घटना 19 मई को गांव प्रहलादपुर की चाय की दुकान पर हुई थी, जहां 4-5 युवकों ने लाठी, बिंडे और गंडासी से हमला किया था। इससे पहले पुलिस सोनू, पारस, सौरभ और पारस कुमार को गिरफ्तार कर चुकी थी। पुलिस ने आरोपियों से वारदात स्थल की निशानदेही करवाई तथा मोटरसाइकिल और गंडासी बरामद की। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

हत्या के मामले में काट रहा था उम्रकैद, जमानत पर आते ही शुरू की वारदातें

20 से अधिक स्नेचिंग वारदातों का आरोपी शातिर चोर गिरफ्तार

- पुलिस से बचने के लिए निर्माणाधीन पुल से लगाई छलांग, पैर में लगी चोट
- बुजुर्ग महिलाओं को बनाता था निशाना, अंबाला में पांच वारदातें कबूलीं
- चंडीगढ़ और पंजाब में करीब 20 आपराधिक मामले दर्ज, पुलिस ने रिमांड पर लिया अब और खुलासे होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

सीआईए-2 की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाकर दहशत फैलाने वाले एक शातिर स्नेचर को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ पहले से चंडीगढ़ और पंजाब में करीब 20 मामले दर्ज हैं। सीआईए प्रभारी उप निरीक्षक रवि कुमार ने बताया कि आरोपी की पहचान सतनाम सिंह उर्फ सत्तू के रुप में हुई है जोकि ओल्ड एयरपोर्ट चंडीगढ़ का रहने वाला बताया जा रहा है।

अंबाला। सीआईए-2 की गिरफ्त में शातिर स्नेचर। फोटो : हरिभूमि

फिल्मी अंदाज में भागने की कोशिश

बीते रोज बलदेव नगर क्षेत्र में मुस्तैद सीआईए टीम की गाड़ी को देखकर आरोपी खौफ में आ गया। रिंग रोड की तरफ फरार होने लगा। पुलिस को पीछे आता देख पकड़े जाने के डर से आरोपी अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर एक निर्माणाधीन पुल से नीचे कूद गया, जिससे उसकी टांग में गंभीर चोट आई। सीआईए टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत काबू किया और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

बुजुर्ग महिलाओं को बनाता था निशाना

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी पिछले करीब एक महीने से जिला में लगातार सक्रिय था। वह विशेष रूप से बुजुर्ग महिलाओं को अपना निशाना बनाता था। आरोपी चोरी की मोटरसाइकिल पर हेलमेट पहनकर वारदातों को अंजाम देता था ताकि उसकी पहचान न हो सके। अंबाला में उसने अब तक 5 बुजुर्ग महिलाओं से स्नैचिंग की बात कबूली है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 17 अप्रैल 2026 थाना बलदेव नगर के गरनाला रोड क्षेत्र से एक बुजुर्ग महिला से सोने की बाली छीनी। 26 अप्रैल 2026 को थाना महेश नगर क्षेत्र के गांव बोह में बुजुर्ग महिला को निशाना बनाकर सोने की बाली झपटी। 4 मई 2026 को बलदेव नगर क्षेत्र में स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया। 7 मई 2026 को थाना अंबाला छावनी (कैंट) के अंतर्गत एक बुजुर्ग महिला से सोने की बाली छीनी।

6 साल जेल में सजा

पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी सतनाम उर्फ सत्तू एक अत्यंत शातिर किस्म का अपराधी है। उसे न्यायालय द्वारा एक हत्या के मामले में उम्रकैद (आजीवन कारावास) की सजा सुनाई जा चुकी है। वह करीब 6 साल जेल में सजा काटने के बाद हाल ही में जमानत पर रिहा हुआ था। बाहर आते ही दोबारा अपराध की दुनिया में सक्रिय हो गया।

सीआईए प्रभारी ने बताया कि आरोपी को जल्द ही न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा ताकि अंबाला और आसपास के क्षेत्रों से छीने गए सोने के जेवरात व वारदात में इस्तेमाल सामान बरामद किया जा सके। आरोपी से गहनता से पूछताछ जारी है, जिससे कई अन्य वारदातों के भी खुलासा होने की उम्मीद है।

बाइक से पैसों से भरा बैग चोरी, केस दर्ज

यमुनानगर। शहर के राढौर रोड से चोरों ने बाइक पर रखा पैसों से भरा बैग चोरी कर लिया। बैग में साढे 26 हजार रुपये, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, कंडक्टर लाइसेंस, पैन कार्ड तथा अन्य सामान था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव हाफिजपुर निवासी संजीव कुमार ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 28 मई को किसी काम से जा रहा था। जब वह राढौर रोड पर पहुंचा तो उसने अपना बैग बाइक पर रख दिया। कुछ देर बाद उसे बाइक से अपना बैग गायब मिला। बैग में साढे 26 हजार रुपए, आधार कार्ड, एटीएम, कंडक्टर लाइसेंस, पैन कार्ड, टिकटों का पंच, सिटी, कंडक्टर बैग, लंच बॉक्स, मोबाइल पावर बैंक था। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी।

पालतू कुत्ते के काटने से मां-बेटा घायल

यमुनानगर। छछरौली के पीर गायब मोहल्ला में पालतू कुत्ते के काटने से मां बेटा घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर उन्हें उपचार देने के बाद घर भेज दिया गया। पुलिस ने कुत्ते के मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। छछरौली निवासी अजय शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पड़ोसी परवेज खान द्वारा कुत्ता पाला हुआ है। 29 में को सुबह साढ़े 10 बजे उसका भाई संजय कुमार व उसकी मां किसी काम से जा रहे थे। इस दौरान परवेज खान के कुत्ते ने उसके भाई व मां पर हमला कर दिया। जिससे उन दोनों को गंभीर चोटें आई। उसने इस बारे जब परवेज खान से बात की तो आरोपी उल्टा उन्हें ही भला बुरा कहने लगा। आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने आरोपी प्रवेश खान के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कंपनी के सेल्समैन ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

लाडवा में कंपनी के सेल्समैन ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह उसका शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। रात को कर्मी कमरे से बाहर छत पर सोया हुआ था। सुबह वह अपनी ड्यूटी पर नहीं पहुंचा और लगातार फोन कॉल का जवाब नहीं दिया, तब कंपनी के कर्मचारियों मकान मालिक से बातचीत की। मृतक की पहचान 25 साल के विकास के रूप में हुई है। विकास मूलरूप से उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के गांव आबूपुरा का रहने वाला था। फिलहाल वह लाडवा के विकास नगर में किराए के कमरे में अकेला रह रहा था। विकास यहां एक दवा कंपनी में काम करता था। पुलिस के मुताबिक, विकास शुक्रवार रात को मकान की छत पर सोया था। शनिवार सुबह वह कंपनी नहीं पहुंचा। काफी देर तक संपर्क नहीं होने पर कंपनी की तरफ से उसके मोबाइल पर कई बार कॉल की गई, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद कंपनी कर्मचारियों ने मकान मालिक संत लाल को सूचना दी। सूचना पाकर मकान मालिक संतलाल छत पर जाने लगा, तो मोंटी का दरवाजा बंद मिला। दरवाजा अंदर से बंद किया गया था, इसलिए संतलाल पड़ोसी की छत के रास्ते कमरे तक पहुंचा। यहां बाहर विकास का बिस्तर पड़ा हुआ था। अंदर विकास का शव रस्सी के सहारे पंखे से लटका मिला। थाना लाडवा के एसएचओ गुरनाम सिंह ने बताया कि विकास के परिवार को घटना की सूचना दी गई है। विकास का परिवार बरेली से चला हुआ है।

अंबाला: दीपक हत्याकांड में फैसला

हत्यारे को आजीवन कारावास और जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

गांव खानपुर ब्राह्मणा में करीब छह साल पहले हुए दीपक हत्याकांड में अदालत ने मुख्य आरोपी को मुजरिम करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्या या या धी श अरविंद कुमार बंसल की अदालत ने वैज्ञानिक साक्ष्यों और फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर मुख्य आरोपी हरनीप उर्फ नीपू को हत्या और आर्म्स एक्ट के तहत दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोषी पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने मामले में नामजद अन्य चार आरोपियों विकास, कृष्ण, अतुल कुमार और टिंकू को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। सुनवाई के दौरान एक आरोपी अमित कुमार की पहले ही मौत हो चुकी है, जिसके चलते उसके खिलाफ सुनवाई ही बंद कर दी गई थी। कोर्ट ने टिप्पणी की कि दोषी ने एक निर्दोष युवक की गोली मारकर बेरहमी से हत्या की है। हालांकि यह मामला दुर्लभ से दुर्लभतम की श्रेणी में नहीं आता इसलिए फांसी की जगह उम्रकैद की सजा न्यायसंगत है।

अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर किया महिला से दुष्कर्म

यमुनानगर। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक ने महिला की अश्लील वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी देकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी पर महिला को ब्लैकमेल कर पैसे व चांदी की चेन हड़पने का भी आरोप लगा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 35 वर्षीय महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पड़ोस में देहरादून के पटेल नगर निवासी विकास सिंह किराये के मकान में रहता है। आरोपी ने चुपके से उसकी अश्लील फोटो व वीडियो बना ली। इसके बाद आरोपी ने धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने गत जनवरी से 16 मई तक उसे ब्लैकमेल कर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने उसे ब्लैकमेल कर उससे पैसे व चांदी की चेन भी हड़प ली।

अस्पताल के बाहर हाथ पकड़कर की अभद्रता

तांत्रिक पर युवती से छेड़छाड़ का आरोप मां को दो साल से जाल में फंसाने का दावा

- मां ने भी बेटी, बेटे और पति पर मारपीट व मोबाइल छीनने की शिकायत दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र शहर में तांत्रिक पर महिला को अपने चंगुल में फंसाकर उसकी बेटी से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। शहर की रहने वाली 24 वर्षीय युवती का आरोप है कि तांत्रिक ने उसकी मां को पिछले करीब दो साल से अपने जाल में फंसा रखा है। पिता की तबीयत खराब होने के दौरान पूरा परिवार तनाव में था। इसी बीच उसकी मां शाहाबाद के कथित तांत्रिक बाबा रावल के संपर्क में आ गई और घर भी छोड़ दिया। युवती को तांत्रिक पर उसकी मां को गायब करने का शक है। उधर, पुलिस ने युवती की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है। मार्च 2026 में बाबा ने उसकी मां को पिपली के पास बजीदपुर-बिहोली गांव में किराये का कमरा दिलवा दिया। उसकी मां ने कई बार उस पर बाबा से अकेले में मिलने का दबाव भी बनाया। 18 मई की रात वह छोटे भाई के साथ अस्पताल में भर्ती पिता के लिए खाना और कपड़े देने गई थी। कुछ देर बाद उन्होंने मां को बाबा के साथ बाइक पर आते देखा। उसके भाई ने विरोध किया तो बाबा गाली-गलौच करने लगा। युवती ने आरोप लगाया कि 18 मई की रात बाबा ने उसका हाथ पकड़कर अपनी तरफ खींचा और शरीर से टच किया। इसके बाद आरोपी मां को बाइक पर लेकर फरार हो गया। पिता ने पुलिस में शिकायत देने को कहा। मगर, पिता की तबीयत को देखते हुए उसने कुछ दिन इंतजार किया। थाना सिटी थानेसर के एसएचओ नरेश कुमार ने बताया कि इस मामले की जांच चल रही है। युवती की मां ने भी बेटी, बेटे और अपने पति के खिलाफ मारपीट करने और मोबाइल छीनने की शिकायत दी है। शिकायत के बाद उनको जांच के लिए बुलाया गया था।

ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ जवान का हार्ट अटैक से निधन

- छुट्टी पूरी कर चार दिन पहले ही श्रीनगर में ड्यूटी पर लौटे थे
- पैतृक गांव गढ़ सरनाई में राजकीय व सैन्य सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

पानीपत। गढ़ सरनाई निवासी सीआरपीएफ जवान तेजपाल सिंह का श्रीनगर में ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से निधन हो गया। वह हाल ही में छुट्टी बिताकर सोमवार को ही अपनी यूनिट में लौटे थे। शुक्रवार दोपहर अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। वर्ष 2001 में सीआरपीएफ में भर्ती हुए तेजपाल सिंह वर्तमान में श्रीनगर में तैनात थे। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा यूपीएससी की तैयारी कर रहा है। उनका पार्थिव शरीर दिल्ली होते हुए पैतृक गांव गढ़ सरनाई पहुंचा, जहां राजकीय व सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। निधन की खबर से गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर है।

ढाबा व डेयरी संचालक समेत छह दुकानदारों के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी प्रशासन द्वारा शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने, खुले में गंदगी डालने व अतिक्रमण करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में नगर निगम की टीम ने शनिवार को जगाधरी के बुड़िया चौक, छछरौली रोड और बुड़िया मार्ग पर दुकानों में छापेमारी की। निगम की टीम ने बुड़िया चौक पर एक चिकन ढाबा और डेयरी संचालक समेत छह दुकानदारों पर कार्रवाई की। शनिवार को नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर जोन एक में सफाई निरीक्षक अमित कांबोज व होमगार्ड के जवानों की टीम बुड़िया चौक पर पहुंची। यहां एक चिकन ढाबा के बाहर काफी गंदगी डाली हुई मिली। इस पर सफाई निरीक्षक अमित कांबोज ने ढाबा संचालक का मौके पर ही चालान किया और गंदगी को साफ कराया। टीम ने उसे सूखा व गीला कचरा अलग अलग डालने के लिए डस्टबिन रखने और दुकान से निकला कचरा उनमें डालने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त बुड़िया मार्ग पर ही छापेमारी के दौरान एक डेयरी समेत तीन दुकानदारों के पास से प्रतिबंधित पॉलीथिन बरामद हुई। निगम की टीम ने पॉलिथीन कब्जे में लेकर तीनों दुकानदारों के चालान किए। वहीं, जगाधरी रोड पर भी एक दुकानदार का चालान प्रतिबंधित पॉलीथिन मिलने पर किया गया।

यमुनानगर। जगाधरी में दुकानदारों के चालान करते हुए निगम की टीम। फोटो : हरिभूमि

पकने को तैयार फसल जमीन पर गिरने से बढ़ी किसानों की चिंता

तेज हवाओं का कहर, आधी से ज्यादा आम की फसल पेड़ों से टूटकर नष्ट

जिले में दो हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में हैं आम के बाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

आम के बागों पर इस बार तेज हवाओं का कहर टूट रहा है। जिले में शनिवार को भी पिछले कई दिनों की तरह तेज हवा चलने से आम के बागों को भारी नुक्सान पहुंचा। बागवानों की मानें तो अब तक आम के बागों से आधे से ज्यादा फसल टूटकर नीचे गिरने से नष्ट हो गई है। जिससे बागवानों को भारी नुक्सान हो गया है। बागवानों को चिंता है कि यदि इसी तरह तेज आंधी चलती रही तो उनकी आम की फसल पूरी तरह टूटकर नष्ट हो जाएगी। बागवानी विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जिले में करीब दो हजार एकड़ से अधिक भूमि में आम के बाग लहलहा रहे हैं। जिनमें दशहरी आम समेत विभिन्न किस्म के देसी आम, सिंदूरी आम व विभिन्न किस्म के कलमी आम के पेड़ हैं। इस बार आम के बागों में अच्छी बहार आई थी। जिसे लेकर बागवान खुश दिखाई दे रहे थे। इस दौरान बागवानों ने अच्छी पैदावार होने की आस में आम के पेड़ों पर कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव करके जैसे-तैसे करके बौर (फूल) को बचा लिया था। बागवानों को उम्मीद थी कि इस बार आम की पैदावार अच्छी होगी। मगर पिछले कुछ दिन से आए दिन आंधी या तेज हवाएं चल रही हैं। जिससे आम की फसल को नुक्सान हो रहा है।

यमुनानगर। तेज हवा में पेड़ों से नीचे टूटकर गिरी आम की फसल को उठाते बागवान। फोटो : हरिभूमि

एक सप्ताह में कई बार आ चुकी आंधी

बागवान मेहर चंद, राधेश्याम, सौरण सिंह व कुलबीर आदि का कहना है कि इस समय आम की फसल पकने को तैयार है। ऐसे में इस समय आम की फसल के लिए तेज हवाएं चलना काफी नुक्सानदायक है। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह से आए दिन किसी भी समय तेज हवा चलने लगती है। जिससे उनकी फसल नष्ट हो रही है। उन्होंने बताया कि शनिवार दोपहर डेढ़ बजे के करीब अचानक आसमान में बादल छा गए और तेज हवा चलने लगी। जिससे आम के पेड़ों से आम टूटकर नीचे गिरकर खराब हो गए।

विदेश भेजने के नाम पर युवक से 12 लाख की ठगी

- नकली वीजा व फर्जी मेडिकल रिपोर्ट तैयार करने का भी आरोप

अंबाला। विदेश भेजने के नाम पर कुरुक्षेत्र के एक युवक से 12 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने अंबाला शहर के जलबेड़ा रोड स्थित सन फ्लाई ओवरसीज के संचालक चिराग नरूला के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।ज्योतिसर निवासी प्रिंस ने शिकायत में बताया कि आरोपी ने उसे यूरोपीय देश लक्जमबर्ग भेजने का झांसा दिया। पहले बायोमेट्रिक के नाम पर 6 लाख रुपये लिए और बाद में वीजा देने के नाम पर 6 लाख रुपये और वसूल लिए। आरोपी ने टिकट और मेडिकल रिपोर्ट की मांग करने पर एक कथित मेडिकल रिपोर्ट भी दी। शक होने पर जब वीजा की जांच कराई गई तो वह फर्जी निकला।पीड़ित का आरोप है कि पैसे लेने के बाद आरोपी ने अपना कार्यालय बंद कर दिया और फोन उठाना भी बंद कर दिया। उसका पासपोर्ट व अन्य जरूरी दस्तावेज भी आरोपी के पास हैं। पीड़ित के पास लेनदेन की वीडियो, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और लिखित समझौते के सबूत मौजूद हैं। जांच अधिकारी मांगे राम ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

आरटीओ अधिकारी बनकर इमाम से 1.95 लाख ठगे

- 5 रुपये में चालान खत्म करने का झांसा देकर लिंक पर क्लिक करवाया
- लिंक से मोबाइल हैक कर दो बैंक खातों से निकाली रकम

अंबाला। साइबर ठगों ने आरटीओ अधिकारी बनकर एक मस्जिद के इमाम को झांसे में लेकर उनके बैंक खातों से 1,95,450 रुपये निकाल लिए। कमल विहार, घेल रोड निवासी मोहम्मद जावेद आसम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके व्हाट्सएप पर 28 दिसंबर 2025 को कार चालान का मैसेज आया था।इसके बाद ठगों ने खुद को आरटीओ कर्मचारी बताकर संपर्क किया और मात्र 5 रुपये में चालान खत्म कराने का झांसा दिया। लिंक पर क्लिक करते ही उनके फोन में एपीके फाइल डाउनलोड हो गई और मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद ठगों ने एक्सिस बैंक और एसबीआई खातों से कई बार में रकम ट्रांसफर कर ली। पीड़ित के अनुसार कुल 1,95,450 रुपये की ठगी हुई, हालांकि साइबर हेल्पलाइन की मदद से कुछ राशि वापस मिल गई। शिकायत पर साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बिजली निगम कार्यालय रादौर के समक्ष नारेबाजी कर जताया रोष

सड़क पर उतरे बिजली कट से बेहाल गुमथला के ग्रामीण, किया प्रदर्शन

कहा- भीषण गर्मी में अघोषित बिजली कट बंद नहीं हुए तो ग्रामीण आंदोलन को मजबूर होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर। रादौर में प्रदर्शन के दौरान बिजली की समस्या से अधिकारियों को अवगत करवाते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

बिजली कटों से परेशान गांव गुमथला के ग्रामीणों ने रादौर के बिजली निगम कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। उन्होंने बिजली निगम के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने बिजली निगम व सरकार को चेताया कि यदि अघोषित बिजली कटों को बंद नहीं किया गया तो ग्रामीण आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

किसान यूनियन के प्रधान बिंदर सिंह के नेतृत्व में गुमथला गांव के सैंकड़ो ग्रामीण व किसान रादौर के बिजली निगम कार्यालय के समक्ष पहुंच गए और प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान उन्होंने बिजली निगम पर अघोषित बिजली के कट लगाए जाने का आरोप लगाया और निगम के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर किसान यूनियन के प्रधान बिंदर सिंह, शमशेर पाल, विजय सेठी, भीम सेतिया, राजेश सलूजा, रमेश खुराना, राजपाल, मनोज कुमार गुमथला व बृजेश सैनी आदि ने बताया कि गांव गुमथला में नलकूपों व डोमेस्टिक लाइनों पर आए दिन घंटो घंटो के अघोषित बिजली के कट लगाए जा रहे हैं। जिससे ग्रामीण परेशान हैं। उन्होंने बताया कि आजकल किसान आगामी धान की फसल की रोपाई की तैयारी कर रहे हैं और वहीं खेतों में खड़ी गन्ना, चारा व अन्य फसलों को गर्मी की तपिश से बचाने के लिए उनमें सिंचाई कर रहे हैं।

मगर घंटों-घंटों के कट लगाए जाने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, डोमेस्टिक लाइन पर कट लगाए जाने से लोग गर्मी के मारे पसीने से तर बतर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि रोजाना बिजली के अघोषित कटों से ग्रामीणों का जीना दुर्भर हो गया है। उन्होंने बिजली निगम के अधिकारियों से बिजली के अघोषित कट बंद किए जाने की मांग की।

समस्या का जल्द होगा समाधान

बिजली निगम रादौर के एसडीओ अवनीश यादव ने कहा कि ग्रामीणों की बिजली कटों की समस्या का एक सप्ताह के भीतर समाधान कर दिया जाएगा। ग्रामीणों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

यमुनानगर। झमाझम बारिश में छाता लेकर अपने गंतव्य की ओर जाते लोग। फोटो : हरिभूमि

झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना, पारा 32 डिग्री तक लुढ़का

- कई स्थानों पर सड़कों पर भरा पानी, लोगों को आवागमन में हुई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिले में शनिवार दोपहर बाद कई स्थानों पर हुई बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। इस दौरान जिले के कई स्थानों पर तेज तो कई स्थानों हर तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। जिससे मौसम सुहावना बन गया। वहीं, हवा के साथ बारिश होने से मौसम में तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

बारिश के बाद जिले का तापमान गिरकर अधिकतम 32 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रह गया। आलम यह रहा कि कई स्थानों पर सड़कों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित हो गया। शनिवार सुबह से लेकर दोपहर डेढ़ बजे तक आसमान से भीष्ण गर्मी टपकती रही। जिससे लोग गर्मी से बेहाल रहे। मगर दिन के डेढ़ बजे के करीब अचानक आसमान में बादल छा गए और कुछ ही देर बाद हवा के साथ बारिश होने लगी। आलम यह हो गया कि तेज हवा के साथ झमाझम बारिश होने से मौसम सुहावना बन गया। लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली।

इस दौरान कहीं पर तेज तो कहीं पर हल्की बारिश हुई। बारिश होने से मौसम तो खुशगवार बन गया। मगर कई स्थानों पर सड़कों व कच्चे रास्तों पर पानी भरने से लोग परेशान हो गए। इस दौरान लोग बारिश में कम और सड़कों पर

बारिश से फसलों को मिलेगा लाभ

किसान जसविंद्र सिंह, राकेश कुमार, गुलाब सिंह, रविंद्र कुमार, पवन कुमार, जसमेर व सतीश आदि का कहना है कि इस समय किसान जहां धान की फसल की रोपाई के लिए खेत तैयार कर रहे हैं। वहीं, गर्मी की तपिश से झूलस रही गन्ना, चारा व मक्का की फसल समेत अन्य सब्जी की फसलों को बारिश होने से राहत मिलेगी। इससे फसलों को बीमारियों से छुटकारा मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस समय बारिश होने से फसलों का लाभ मिलेगा।

श्री सोमनाथ मंदिर की नि:शुल्क यात्रा के लिए 6 जून तक करें आवेदन: प्रीति

- मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत बुजुर्ग श्रद्धालुओं को लेकर 8

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

उपायुक्त प्रीति।

हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी पहल श्मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत सोमनाथ स्वाभिमान पर्व एक हजार वर्ष की अखंड आस्था व पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने पर बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थल श्री सोमनाथ मंदिर प्रभास पाटन, वेरावल (गुजरात) के दर्शन करवाए जाएंगे। आगामी 8 जून को एक विशेष ट्रेन रवाना होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस विशेष ट्रेन को कुरुक्षेत्र से झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उक्त जानकारी उपायुक्त प्रीति ने शनिवार को अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए दी।

उपायुक्त प्रीति ने कहा कि यात्रा निःशुल्क होगी और पात्र श्रद्धालुओं को रहने व खाने सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इच्छुक श्रद्धालु 6 जून तक सरल हरियाणा पोर्टल पर पंजीकरण करवा सकते हैं। चयन प्राक्रिया पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगी। इसलिए पात्र लाभार्थियों से समय रहते आवेदन करें। उपायुक्त प्रीति ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। इसके लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। योजना के नियमों के अनुसार कोई भी व्यक्ति तीन वर्षों में केवल एक बार ही इस सुविधा का लाभ ले सकता है। उपायुक्त प्रीति ने स्पष्ट किया कि पंजीकरण करवाने वाले सभी लाभार्थियों को 6 जून तक पहले जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में अपनी सूचना देना अनिवार्य होगा।

यात्रा के लिए आवश्यक दस्तावेज

उपायुक्त प्रीति ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं। जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड या अन्य सरकारी आईडी), परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), दो पासपोर्ट साइज फोटो व शारीरिक रूप से यात्रा के लिए फिट होने का फिटनेस सर्टिफिकेट तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है। आवेदक का हरियाणा का निवासी होना और परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है।

नितेश ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में फेंसिंग में जीता रजत पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। गुरु नानक खालसा कॉलेज में रजत पदक लेकर लौटे छात्र का स्वागत करते हुए प्रिंसिपल व अन्य स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र नितेश ने राजस्थान के जयपुर में आयोजित प्रतिष्ठित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के फेंसिंग एपे टीम इवेंट में रजत पदक हासिल किया है। शनिवार को छात्र नितेश के कालेज में पहुंचने पर प्रिंसीपल डॉ. अरविंदर सिंह भल्ला व स्टाफ सदस्यों ने स्वागत किया है।

कालेज प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष सरदार रणदीप सिंह जौहर ने नितेश को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता युवा खिलाड़ीयों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। जिससे वे समर्पण, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे तथा राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान का नाम रोशन करेंगे। कालेज के प्रिंसीपल डॉ. अरविंदर सिंह भल्ला ने नितेश के सराहनीय प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी और खेल के प्रति उनके समर्पण एवं प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए गुणवत्तापूर्ण खेल सुविधाएं और अवसर प्रदान करने हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है। वहीं, कालेज के शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. संजय विज ने कहा कि निरंतर प्रशिक्षण, अनुशासन और टीमवर्क प्रतिस्पर्धात्मक खेलों में सफलता की मुख्य आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में मिली उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करती हैं।

हवन-यज्ञ व भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

रादौर। शिव मंदिर धर्मशाला रादौर में इलाके की सुख समृद्धि के लिए श्रद्धालुओं ने हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर भंडारे का शुभारंभ समाजसेवी धर्मपाल वर्मा ने किया। इस दौरान सत्संग का आयोजन भी किया गया। समाजसेवी धर्मपाल वर्मा ने बताया कि स्थानीय लोगों की सुख शांति को लेकर भंडारे का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन करने से सद्भाव बढ़ता है और भाईचारा की भावना बढ़ती है। हम सभी को धार्मिक कार्यक्रमों में मिलजुलकर भाग लेने चाहिए। उन्होंने बताया कि उनकी भावना है कि इस प्रकार के आयोजनों में हम सभी को भाग लेकर समाज में भाईचारा की भावना को बढ़ाना चाहिए। इस अवसर पर चेयरमैन ईश्वर पलाका, शिवकुमार वर्मा, रामकुमार वर्मा, आशु वर्मा, विनोद वर्मा, पवन वर्मा, मदनलाल ठेकेदार, संदीप वर्मा, सचिन वर्मा, कुलवंत वर्मा, हर्षित वर्मा, विजय वर्मा, डॉ. एससी सैनी, भारत माटिया, देवीदयाल अरोड़ा, मोहनलाल अरोड़ा व नीरज कपूर आदि मौजूद रहे।

धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है प्राचीन पक्का घाट

रादौर। अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब रादौर के तत्वावधान में शनिवार को कस्बा के प्राचीन एवं ऐतिहासिक पक्का घाट पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। क्लब के सदस्यों ने पक्का घाट पर साफ सफाई करके कूड़ा कर्कट उठाकर दूर डाला गया। मौके पर अभियान में नपा के सफाई कर्मचारी भी शामिल रहे। क्लब के सचिव भारत माटिया ने बताया कि संस्था की ओर से हर महीने के अंतिम शनिवार को पक्के घाट पर सफाई अभियान चलाकर साफ सफाई की जाती है। ताकि पक्का घाट के आसपास गंदगी ना फैले और वहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस नहीं पहुंचे। उन्होंने बताया कि पक्का घाट स्थानीय लोगों द्वारा वर्ष 1834 में बनाया गया था। जिसका धार्मिक दृष्टि से बहुत महत्व है। हर त्यौहार पर स्थानीय लोग अपने धार्मिक अनुष्ठान के लिए पक्के घाट पर पहुंचते हैं। इस अवसर पर रानी सैनी, मीनाक्षी कांबोज, सुमन शर्मा, डॉ. एससी सैनी, मोहनलाल अरोड़ा, देवीदयाल अरोड़ा, ब्रह्मप्रकाश टंडन, संदीप सैनी, मास्टर कृष्ण आर्य व मोहित गर्ग आदि मौजूद रहे।

अग्रवाल वैश्य समाज ने डॉ. अर्चना के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनने पर जताई खुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

अग्रवाल वैश्य समाज रादौर द्वारा शनिवार को कस्बा में कार्यक्रम आयोजित कर हालहि में भाजपा द्वारा डॉ. अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर लड्डू बांटकर खुशी जताई। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवैल वैश्य समाज के रादौर विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने की।

समाज के विधानसभा रादौर के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने कहा कि भाजपा पार्टी ने डॉ. अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर वैश्य समाज को सम्मान दिया है। उन्होंने भाजपा का डॉ. अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर आभार जताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दिखा दिया है कि वह हर वर्ग को साथ लेकर चलने का काम कर रही है।

जिस कारण भाजपा देश व प्रदेश में मजबूती से कार्य कर रही है। पकंज गुप्ता ने कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज भाजपा द्वारा दिए गए सम्मान को हमेशा याद रखेगा। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर एक दूसरे का मुंह मीठा करवाया।

उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी का जठलाना में पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

देश के समुचित विकास में लगी हैं भाजपा की प्रदेश सरकारें: बेनिवाल

कहा- 2027 में जीत हासिल कर भाजपा यूपी में लगातार तीसरी बार बनाएगी सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर। गांव जठलाना में उत्तर प्रदेश के भाजाप के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी मोहित बेनिवाल का स्वागत करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी मोहित बेनिवाल ने कहा कि विभिन्न प्रदेशों में कार्य कर रही भाजपा सरकारें देश का समुचित विकास करने में लगी हैं। उन्होंने उक्त शब्द जिला यमुनानगर के गांव जठलाना में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा किए गए स्वागत कार्यक्रम के दौरान कहे। मौके पर गांव के सरपंच प्रतिनिधि बीर सिंह व ग्रामीणों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

एमएलसी मोहित बेनिवाल ने कहा कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव जीतकर भारी बहुमत से सरकार बनाएगी। उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री आदित्य नाथ योगी सरकार ने जनता को सुरक्षा मुहैया करवाकर गुंडाराज को खत्म किया है। प्रदेश का समुचित विकास हुआ है। जिस कारण आज उत्तरप्रदेश की गिनती विकसित राज्यों में हो रही है। योगी सरकार में देश के बड़े बड़े उद्योगपति उत्तरप्रदेश में निवेश कर रहे हैं।

जिससे प्रदेश में लोगों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्यों में भाजपा की सरकारें देश का समुचित विकास करने में लगी हैं। मोदी व योगी राज में देश बुलंदियों को छू रहा है। देश दुनिया की 5वीं बड़ी महाशाक्ति बनकर उभरा है। बेनिवाल ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2024 के हरियाणा के विधानसभा चुनावों में भाजपा की ओर से जिला पानीपत में प्रभारी के तौर पर अपनी सेवाएं दी थी। उन्होंने प्रदेश की नायब सैनी सरकार के कार्यों की भरपूर प्रशंसा की। बेनिवाल ने कहा कि नायब सैनी सरकार ने प्रदेश के विकास में चार चांद लगा दिए हैं। जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

इस अवसर पर राजकुमार संधु, प्रदीप बुरा, कर्णवीर, मोहित गर्ग, पंकज सिंगला, दीपक अग्रवाल, जरनैल नंबरदार, गौरव बंसल, कालू प्रधान, रामचंद्र, मोनू, विशाल शर्मा व अशोक राणा आदि मौजूद रहे।

भाजपा पांच जून को रादौर में मनाएगी पर्यावरण दिवस

- गांव बकाना स्थित शक्ति केंद्र में हुई भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर। गांव बकाना के शक्ति केंद्र में आयोजित बैठक में भाग लेते भाजपा कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

भाजपा शक्ति केंद्र बकाना में शनिवार को कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा के मंडल महामंत्री सतीश सैनी ने की। बैठक में भाजपा द्वारा जून माह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रणनीति बनाई गई। मौके पर मुख्यातिथि के रुप में मंडल अध्यक्ष कृष्ण कांबोज ने भाग लिया।

रादौर मंडल अध्यक्ष कृष्ण कांबोज बकाना ने बताया कि बैठक में पार्टी की ओर से 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वहीं, केंद्र सरकार के 12 वर्षो के दौरान करवाए गए कार्यों को कार्यकर्ता जनता के समक्ष रखेंगे। इसके अलावा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रदेश स्तर पर मनाया जाएगा। जिसमें सभी कार्यकर्ता भाग लेंगे। 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यातिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। कहा कि हर कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यकर्ता का अहम अदा करते है। ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में चारो मंडल के अध्यक्ष मिलकर कार्य करेंगे। इस अवसर पर हरपाल सैनी, राम सिंह कांबोज, मंगतराम जोगी, राजेश सैनी, श्याम लाल, अशोक सैनी, जनक राज, सुमित कांबोज, कपिल मेहता व अनिल मौजूद रहे।

तंबाकू छोड़ने का संकल्प, स्वस्थ समाज की ओर मजबूत कदम

कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की बीमारियों का प्रमुख कारण है तंबाकू

युवाओं को नशे की लत से बचने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

विश्व तंबाकू निषेध दिवस हर वर्ष 31 मई को मनाया जाता है। इस अवसर पर समाज के प्रबुद्ध लोगों ने तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए लोगों से तंबाकू एवं उससे बने उत्पादों से दूर रहने का आह्वान किया। तंबाकू का सेवन कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों तथा अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण है। वक्ताओं ने युवाओं को विशेष रूप से तंबाकू की लत से बचने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

तंबाकू अनेक गंभीर बीमारियों का कारण : रामेश्वर सैनी

सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस हमें यह याद दिलाता है कि तंबाकू केवल एक आदत नहीं बल्कि अनेक गंभीर बीमारियों का कारण है। अस्पतालों में प्रतिदिन ऐसे मरीज आते हैं जो तंबाकू सेवन के कारण कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। तंबाकू का सेवन व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार को भी प्रभावित करता है। युवाओं को विशेष रूप से इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक होना चाहिए। यदि हम स्वस्थ समाज का निर्माण करना चाहते हैं तो तंबाकू मुक्त जीवनशैली अपनाना आवश्यक है।

बच्चों को स्वस्थ जीवन के मूल्य समझाएं परिजन : डा. अशोक

पुलिस उप निरीक्षक डा. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि तंबाकू निषेध दिवस का महत्व केवल एक दिवस तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज को जागरूक करने का अवसर है। शिक्षा के माध्यम से हम बच्चों और युवाओं को तंबाकू के नुकसान के बारे में सही जानकारी दे सकते हैं। कई बार लोग साथियों के दबाव या जिज्ञासा में तंबाकू का सेवन शुरू कर देते हैं, जो बाद में लत बन जाती है। विद्यालयों और परिवारों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को स्वस्थ जीवन के मूल्य समझाएं। यदि हम नई पीढ़ी को तंबाकू से दूर रखने में सफल होते हैं, तो एक स्वस्थ और सशक्त भारत का निर्माण संभव होगा।

स्वस्थ शरीर और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी : गौरव

सैनी महापंचायत हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता युवा गौरव सैनी ने कहा कि एक युवा होने के नाते मेरा मानना है कि तंबाकू का सेवन हमारे सपनों और भविष्य दोनों को प्रभावित करता है। कई युवा यह सोचकर तंबाकू का प्रयोग शुरू कर देते हैं कि इससे कोई बड़ा नुकसान नहीं होगा, लेकिन धीरे-धीरे यह लत बन जाती है। तंबाकू से स्वास्थ्य, पढ़ाई, खेलकूद और आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस हमें सही दिशा चुनने का संदेश देता है। हमें अपने मित्रों और परिवार के सदस्यों को भी इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताना चाहिए। स्वस्थ शरीर और सकारात्मक सोच ही सफलता की असली कुंजी है।

समाज में तंबाकू सेवन बन चुका है बड़ी चुनौती : गुलशन ग्रोवर

समाजसेवी गुलशन ग्रोवर ने कहा कि समाज में तंबाकू सेवन एक बड़ी चुनौती बन चुका है। इसके कारण न केवल स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं, बल्कि परिवारों की आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है। जागरूकता अभियान और सामूहिक प्रयासों से ही इस समस्या का समाधान संभव है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस लोगों को यह समझाने का अवसर प्रदान करता है कि तंबाकू छोड़ना कठिन जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। यदि समाज, परिवार और प्रशासन मिलकर प्रयास करें तो तंबाकू मुक्त वातावरण तैयार किया जा सकता है। हमें हर स्तर पर लोगों को प्रेरित करना चाहिए कि वे अपने और अपने परिवार के बेहतर भविष्य के लिए तंबाकू से दूरी बनाएं।

स्वस्थ जीवन ही सबसे बड़ी संपत्ति : संजय चौधरी

हम फाउंडेशन के सदस्य संजय चौधरी ने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस स्वास्थ्य, जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन का संदेश लेकर आता है। तंबाकू का सेवन व्यक्ति के जीवन को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाता है और कई गंभीर बीमारियों को जन्म देता है। हमें यह समझना होगा कि स्वस्थ जीवन ही सबसे बड़ी संपत्ति है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को तंबाकू के खिलाफ जागरूकता फैलाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। विशेष रूप से युवाओं को इसके दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देना आवश्यक है। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि वे तंबाकू मुक्त जीवन का संकल्प लें।

खबर संक्षेप

ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर 8 जून से

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद् की एक इकाई, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा ग्रीष्मावकाश के दौरान विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर 2026 का आयोजन 8 जून से 12 जून 2026 तक किया जाएगा। इन शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता तथा नवाचार की भावना का विकास करना है।

बिजली का करंट लगने पर दो गायों की मौत

कुरुक्षेत्र। क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना में बिजली की तार से करंट लगने के कारण दो गायों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सेक्टर 10 में बारिश के बाद एक बिजली का तार जमीन पर गिर गया था। दोपहर बाद चरने निकली दो गायें तार की चपेट में आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

भागवत कथा में गूंजे धर्म के दिव्य प्रसंग

पिहोवा। श्रीगोबिदानंद आश्रम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में 13वें दिन कथा वाचक महंत सर्वेश्वरी गिरी ने विभिन्न पौराणिक एवं आध्यात्मिक प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति, त्याग और लोक कल्याण का संदेश दिया। उन्होंने कथा के दौरान राजा सगर की कथा, मां गंगा के पृथ्वी पर अवतरण, भगवान श्री राम के आदर्श जीवन चरित्र, चंद्रवंश की गौरवगाथा, समुद्र मंथन, राजा बलि की दानशीलता तथा भगवान वामन अवतार के दिव्य प्रसंगों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया।

विदेश भेजने के नाम पर युवक से लाखों की ठगी

कुरुक्षेत्र। विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। कुरुक्षेत्र के एक युवक से लक्जमबर्ग (यूरोप) भेजने का झांसा देकर 12 लाख रुपये ठग लिए गए। अंबाला सिटी में आरोपी एजेंट ने युवक को नकली वीजा, फर्जी एग्रीमेंट और झूठी मेडिकल रिपोर्ट थमाई। कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर के रहने वाले प्रिंस ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने विदेश जाने के लिए अंबाला के रहने वाले एजेंट चिराग नरूला से संपर्क किया था।

कुरुक्षेत्र का ड्रीम प्रोजेक्ट हुआ साकार, केंद्र से मिली मंजूरी : सुधा

2,071 करोड़ की लागत से बनेगा 27.9 किलोमीटर लंबा दक्षिणी बाईपास

पूर्व राज्यमंत्री ने सीएम सैनी, प्रधानमंत्री मोदी व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि कुरुक्षेत्र शहर में बाईपास नागरिकों का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट को केंद्र की तरफ से मंजूरी मिल चुकी है। दक्षिणी फेज में 27.9 किलोमीटर दूरी के बाईपास को तैयार करने में लगभग 2071 करोड़ रुपए की लागत आएगी। बाइपास के तैयार होने से वाहनों का सफर तो आसान होगा ही, इसके साथ ही शहर के लोगों को जाम की समस्या से भी निजात मिलेगी। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कुरुक्षेत्र बाईपास की घोषणा होने पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ज्योतिसर के पास से शुरू होकर गांव किरमच, अमीन से होते हुए गांव मथाना तक 27.9 किलोमीटर में बाईपास तैयार होगा। इस बाईपास को दो नहरों और रेलवे लाइन के ऊपर से क्रॉस करवाया जाएगा। करीब 100 हेक्टेयर भूमि को एक्वायर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया(एनएचएआई) की तरफ से कुरुक्षेत्र बाईपास प्रोजेक्ट को लेकर 3 विकल्प तैयार किए गए है। प्रस्तावित हाईवे बाईपास प्रोजेक्ट के लिए तीन अलाइनमेंट को हर बिंदु के आधार पर जांचा गया है। इनमें हर ऑप्शन को टेक्निकल, एनवायर्नमेंटल, सोशल और इकोनॉमिक पैरामीटर के साथ तैयार किया गया है। खूबियों और कमियों के तुलनात्मक एनालिसिस के आधार पर इन तीन विकल्पों में से दक्षिण दिशा में 27.9 किलोमीटर बाईपास का चयन किया गया है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि इस बाइपास के तैयार होने से कुरुक्षेत्र शहर के लिए ट्रैफिक में राहत मिलेगी। बाईपास से शहर के अंदर भीड़ काफी कम हो जाएगी, क्योंकि दिल्ली की तरफ गाड़ियों की आवाजाही अंबाला की तुलना में काफी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि बाईपास बनने से शहरी विस्तार के लिए मदद मिलेगी। कुरुक्षेत्र शहर के इलाके से बाहर रहकर, यह बाईपास बिना किसी रुकावट के शहर के भविष्य के विकास और विस्तार के मौके बनाए रखता है। इसके साथ ही जिले के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद रहेगा।

कुरुक्षेत्र। संबोधित करते पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा।

मथाना तक होगा विस्तार

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र के लोगों को बाईपास के रूप में एक सौगात दी है। इससे लोगों का ड्रीम प्रोजेक्ट अब पूरा होगा। इसके साथ ही ट्रैफिक जाम और सडक दुर्घटनाओं की बड़ी समस्या से निजात दिलाएंगे। जो पिहोवा - कुरुक्षेत्र - यमुनानगर हाईवे (एसएच-6) के कुरुक्षेत्र बाईपास हिस्से का कंस्ट्रक्शन प्लान तैयार हो चुका है। यह एसएच-6 पर ज्योतिसर के पास के जंक्शन से शुरू होकर, एमडीआर-119 और एनएच- 44 के साथ कुरुक्षेत्र जिले को जोड़ेगा और हरियाणा राज्य में एनएच के तहत मथाना गांव (एसएच-6) के पास खत्म होगा।

एनएचएआई कुरुक्षेत्र बाईपास के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया जल्द होगी शुरूः उपायुक्त

कुरुक्षेत्र।,उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र बाईपास को बनाने की मंजूरी मिल गई है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया जल्द ही निर्माण कार्य की प्रक्रिया को शुरू करेगा। सबसे पहले भूमि अधिग्रहण का कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। कुरुक्षेत्र बाईपास के 27.9 किलोमीटर मार्ग के लिए लगभग 217 हैकटेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के लिए 25 गांव के क्षेत्र की भूमि शामिल है, इसमें 24 गांव थानेसर उपमंडल के और एक गांव पिहोवा उपमंडल का शामिल है।

आसमान में छाई काली घटाएं बारिश से तापमान में गिरावट

आमजन को गर्मी से मिली राहत

कुरुक्षेत्र। सुहावने मौसम का दृश्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

शहर और आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। दोपहर आसमान में काली घटाएं छा गईं और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को इस बारिश से बड़ी राहत मिली। बारिश होने के बाद तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। शनिवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग घरों में रहने को मजबूर थे। लेकिन दोपहर होते-होते मौसम ने करवट ली और आसमान में बादलों का डेरा लग गया। कुछ ही देर में तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया और यातायात की रफ्तार कुछ समय के लिए धीमी पड़ गई। हालांकि लोगों ने इसे गर्मी से राहत दिलाने वाली बारिश बताया। बारिश के बाद पार्कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों की भीड़ देखने को मिली। बच्चों और युवाओं ने बारिश का आनंद लिया, जबकि बुजुर्गों ने भी मौसम में आई ठंडक का स्वागत किया। किसानों ने भी इस बारिश को फसलों के लिए लाभकारी बताया। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी गतिविधियों के प्रभाव से मौसम में यह बदलाव आया है।

मौसम हुआ सुहाना

शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को अचानक मौसम ने करवट ली। पहले तेज आंधी चली, जिससे कई स्थानों पर धूल का गुबार छा गया और लोगों को कुछ समय के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ा। तेज हवाओं के कारण कई पेड़ों की टहनियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं तथा कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। हालांकि आंधी के कुछ देर बाद शुरू हुई बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी व उमस से राहत मिली।

कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए जल सेवा का किया शुभारंभ

थानेसर। तपती गर्मी मे जब रेल से कोई यात्री उतरता है तो सबसे पहले ठंडे जल की तलाश करता है। यात्रियों को ठंडा जल मिले इसके लिए श्रीस्थाणु सेवा मंडल हर वर्ष कुरुक्षेत्र के रेलवे स्टेशन पर वर्षो से जल सेवा करता आ रहा है। शनिवार को इस सेवा का शुभारंभ महंत लक्ष्मीनारायण पुरी ने किया। इस अवसर पर हरीश अरोड़ा पूर्व मंडल अध्यक्ष मुख्य अतिथि रहे। लक्की काठपाल वशिष्ठ अतिथि रहे। हरीश अरोड़ा ने अपनी सुपत्री समृद्धि अरोड़ा के जन्मदिन पर जलजीरे की सेवा दी। श्रीस्थाणु सेवा मंडल के प्रधान सतीश शर्मा ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर हरीश अरोड़ा, समृद्धि अरोड़ा, लक्की काठपाल, सुरेंदर काठपाल, जगदीश अरोड़ा सीनियर सेक्शन इंजीनियर, सुदेश पाल, रमेश वर्मा, सतबीर सैन, केवल कृष्ण, चन्दर प्रकाश, मन्नू, भाषी, दर्शन पाहवा, प्रेम मदान, नानक चंद गल्होत्रा, सुरेंदर हमबीरिया, योगेश गौड़, राधेश्याम, पवीन गुप्ता, गुलशन चावला, रमेश सचदेवा, अनिल पोपली उपस्थित रहे।

लोक अदालत में 46 मामलों का निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चेयरमैन दिनेश कुमार मित्तल ने कहा कि जिला कोर्ट परिसर, उपमंडल शाहाबाद व उपमंडल पिहोवा में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस विशेष लोक अदालत में चैक से संबंधित (एनआई एक्ट) श्रेणी के 46 मामलों का निपटारा किया जाएगा। दोनों पक्षों की सहमति से 46 मामलों को 19 लाख 78 हजार 111 रुपए में निपटारा हुआ। उन्होंने कहा कि इस विशेष लोक अदालतों में अनिल कुमार, गिर्राज सिंह, पल्लवी ओझा, अनीता रानी, कपिल, भरत, राधिका की कोर्ट ने लगभग 150 मामलों को सुना और 46 केसों का निपटारा भी किया। उन्होंने बताया कि इसी विषय पर 18 जुलाई को भी चैक से संबंधित (एनआई एक्ट) श्रेणी के मामलों का निपटारा करने के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो नागरिक का चैक से संबंधित मुकदमे को दूसरे पक्ष के साथ समझौते के माध्यम से लोक अदालत द्वारा निपटाना चाहते हैं और आज किसी कारण से कोई में नहीं पहुंच पाया। ऐसे ही जिन नागरिकों का चैक से संबंधित मुकदमा जिस न्यायालय में लंबित हो, उसी न्यायालय में 17 मई तक किसी भी कार्य दिवस में जाकर अपने मामले पर विचार करवा सकते हैं, जिसका निस्तारण 18 मई को आपसी समझौते के आधार पर किया जाएगा। नागरिक किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में जाकर संपर्क कर सकते हैं।

सुभाष कलसाना बने हरियाणा राज्य कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन

शाहबाद। वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष कलसाना को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा राज्य कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक का चेयरमैन नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस घोषणा के बाद शनिवार सुबह सुभाष कलसाना जब हुडा स्थित अपने कार्यालय पहुंचे तो भाजपा कार्यकतार्ओं, सरपंचों, ब्लॉक समिति सदस्यों, मंडी आढ़तियों तथा बड़ी संख्या में नगरवासियों ने उनका फूल-मालाओं से और पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान कार्यकतार्ओं ने ढोल की थाप पर भंगड़ा डालकर अपनी खुशी का इजहार किया। सुबह से ही उनके कार्यालय पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा और समर्थकों का जनसमूह उमड़ पड़ा। इस अवसर पर रविन्द्र सांगवान ठोल, नपा के पूर्व प्रधान बलदेव राज चावला, मंडल प्रधान यादविन्द्र लक्की राणा, मंडल प्रधान रवि खेड़ा, मंडी प्रधान स्वर्णजीत सिंह कालड़ा, एडवोकेट मनदीप रावा, अनिल गोलपुरा, पार्षद अमृत पाल, पार्षद ईशु सचदेवा आदि मौजूद रहे।

गुरनाम सैनी को हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास कारपोरेशन का चैयरमैन नियुक्त करने पर खुशी

कुरुक्षेत्र। सैनी समाज सभा कुरुक्षेत्र के प्रधान गुरनाम सिंह सैनी को हरियाणा सरकार ने हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास कारपोरेशन का चैयरमैन नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ती पर सैनी समाज सभा कुरुक्षेत्र में उनका लडडू बांटकर व ढोल नगाडो से सर्व समाज के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। इससे पहले गुरनाम सैनी ने सुबह भद्रकाली मंदिर में माथा टेका व स्वामी ज्ञानानंद का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने इस नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का विशेष तौर पर व भाजपा हाईकमान का तहेदिल से आभार प्रकट किया व कहा कि वह पुरी ईमानदारी व मेहनत से सर्व समाज के हितों के लिए कार्य करेंगे। सैनी समाज सभा के महासचिव अवतार सिंह सैनी व अन्य पदाधिकारियों ने भी इस महत्वपूर्ण नियुक्ती पर प्रशंता जाहिर की इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री गुरदयाल सिह सैनी, व सैनी समाज सभा के वरिष्ठ उप प्रधान सत्यावान सैनी, सहसचिव रामसरुप सैनी, कोषाध्यक्ष जयपाल, सैनी शिक्षा समिति के प्रधान श्री नैब सिंह पटाकमाजरा, पूर्व प्रधान सुरेश पाल, जयभगवान, बलदेव पूर्व सचिव कुशल पाल, हरिकेश, करनैल हरिपुर, बृज लाल, छत्रपाल, लेखराज, जसविन्द्र चैयरमैन, सुभाष सैनी चैयरमेन, रामनाथ रतगल, डिम्पल बाबैन, दर्शन सैनी, जयपाल, हरमेश सैनी, बाल्मीकि सभा के प्रधान जगीर सिंह, रिषीपाल मथाना, अशोक रोसा, सतीश सैंसा, सुभाष कसीथल, कार्तीक सैनी, विकास सैनी, चरण सिंह टोपरा, बलदेव कैंथला आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम युवाओं को देश और विदेश में उपलब्ध रोजगार अवसरों से जोड़ने की पहल

विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर होंगे उपलब्ध

सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में 4 जून को कुरुक्षेत्र में होगा अंतरराष्ट्रीय रोजगार महोत्सव : डॉ. मनीष मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नवीन जिन्दल फाउंडेशन की ओर से 4 जून 2026 को डॉ. बी.आर. अंबेडकर भवन, सेक्टर-8, कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले /"नवीन अवसर अंतरराष्ट्रीय रोजगार महोत्सव/" को लेकर कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में बातचीत करते हुए नवीन जिन्दल फाउंडेशन स्किल डेवलपमेंट के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. मनीष मिश्रा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि यह रोजगार महोत्सव क्षेत्र के युवाओं को देश और विदेश में उपलब्ध रोजगार अवसरों से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सांसद नवीन जिन्दल के दूरदर्शी नेतृत्व, मार्गदर्शन और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के विजन के अनुरूप किया जा रहा है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि रोजगार महोत्सव में स्वास्थ्य सेवाएं, लॉजिस्टिक्स, कंस्ट्रक्शन, आईटी, रिटेल, हॉस्पिटैलिटी, मैन्युफैक्चरिंग तथा ऑटोमोबाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, कनाडा, ओमान, कतर, वियतनाम और अन्य देशों में रोजगार से संबंधित संभावनाओं की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि महोत्सव में भाग लेने वाले युवाओं की शैक्षणिक योग्यता, अनुभव और रुचि के आधार पर काउंसलिंग की जाएगी तथा उन्हें उपयुक्त रोजगार अवसरों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर 4 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय रोजगार महोत्सव का पोस्टर भी लांच किया गया।

कुरुक्षेत्र। अंतरराष्ट्रीय रोजगार महोत्सव का पोस्टर लॉन्च करते नवीन जिन्दल फाउंडेशन स्किल डेवलपमेंट के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. मनीष मिश्रा व अन्य।

युवाओं के कौशल विकास और व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण आयोजन

नवीन जिन्दल फाउंडेशन से अभिषेक सहगल ने कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर की उपलब्धियों की जानकारी पत्रकारों के साथ साझा की। उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा अब तक हजारों युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ा गया है। यह आयोजन केवल नौकरी उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युवाओं के कौशल विकास और व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह अंतरराष्ट्रीय रोजगार महोत्सव क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार प्राप्त करने का एक प्रभावी और विश्वसनीय मंच सिद्ध होगा तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने बताया कि रोजगार महोत्सव 4 जून को प्रातः 10 बजे से सायं 5:30 बजे तक आयोजित होगा। इस अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल के संसदीय कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह पूर्व आईएएस, भूषण मंगला संसदीय विकास अधिकारी, डॉ. राज कुमार, रोहित गुप्ता वाइस प्रेसिडेंट स्पोर्ट्स एकेडमी, विनोद गर्ग सदस्य लोक कल्याण समिति और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

राजपाल 39 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त

जींद। आईटीबीपी में निरीक्षक के तौर पर कार्यरत राजपाल रंगा 39 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत हो गए है। डा. बी आर अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी ने प्रधान राजेश पहलवान की अध्यक्षता में राजपाल रंगा को फूलों की माला पहनाकर, स्मृति चिह्न देकर और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। सोसायटी के पूर्व महासचिव दलबीर ने कहा कि निरीक्षक राजपाल रंगा ने सेना के नियमों और सिद्धांतों का पूरी निष्ठा से पालन करते हुए देश की सेवा की है। जैसा की भारतीय सैनिक का पहला और सर्वोच्च कर्तव्य राष्ट्र की संप्रभुता, सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करना होता है।

सांझी संरक्षण कार्यशाला दो से चार जून तक

जींद। हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं को संरक्षित एवं संवर्धित करने के उद्देश्य से कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा सांझी संरक्षण अभियान के तहत मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दो से चार जून तक धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल पांडु पिंडारा स्थित पांचाल धर्मशाला में तीन दिवसीय सांझी संरक्षण कार्यशाला आयोजित होगी।

एलुमनी एसोसिएशन मतदाता प्रकाश 10 को

जींद। एलुमनी एसो राजकीय कालेज के नौ कार्यकारिणी सदस्यों के निर्वाचन हेतु चुनाव कार्यक्रम जारी किया है। रिटर्निंग ऑफिसर डा. युद्धवीर रेढू ने बताया कि मतदाता सूची का प्रकाशन 10 जून को किया जाएगा। मतदाता सूची संबंधी आपत्तियां 15 जून से 18 जून तक प्राप्त की जाएंगी तथा उनका निस्तारण 22 जून को किया जाएगा। कार्यकारिणी सदस्यों के लिए नामांकन पत्र 25 से 27 जून तक स्वीकार किए जाएंगे तथा उनकी जांच 28 एवं 29 जून को की जाएगी।

सोमनाथ मंदिर की फ्री यात्रा के लिए आवेदन छह तक करें

जींद। एडीसी प्रदीप कुमार ने कहा कि हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी पहल मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 1000 वर्ष की अखंड आस्था व पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने पर बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थल श्री सोमनाथ मंदिर प्रभास पाटनए वेरावल (गुजरात) के दर्शन करवाए जाएंगे। आगामी आठ जून को एक विशेष ट्रेन रवाना होगी। मुख्यमंत्री सैनी विशेष ट्रेन को कुरुक्षेत्र से झंडी दिखा कर रवाना करेंगे।

25 युवाओं ने किया स्वेच्छा से रक्तदान

जींद। नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए सर्व कल्याण मंच जींद टीम द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मेरा युवा भारत के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक एवं शिविर के संयोजक लक्ष्य शर्मा ने बताया कि रक्तदान कैंप में ए पॉजिटिव व एबी पॉजिटिव ब्लड ग्रुप के 25 युवाओं ने रक्तदान किया। इसमें डीएसपी रिषभ सोढ़ी ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए करना पड़ा लंबा इंतजार, एजेंसी ने मांगी माफी

तकनीकी खराबी के कारण समय पर शुरू नहीं हो पाई सीयूईटी की परीक्षा

जिले के कई सेंटरों पर समय पर नहीं हो पाई परीक्षा, स्थिति को भांपते हुए एजेंसी को समय सारणी में करना पड़ा बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। परीक्षा केंद्र के बाहर इंतजार करते अभ्यर्थी। *फोटो : हरिभूमि*

तकनीकी खराबी की वजह से शनिवार को कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट की परीक्षा समय पर शुरू नहीं हो सकी। सुबह 9 बजे शुरू होने वाली परीक्षा कई जगह करीब 11:23 बजे शुरू हुई। इससे हजारों अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। पूरे दिन अभ्यार्थी बेहद परेशान नजर आए। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने बताया कि परीक्षा आयोजन से जुड़ी एजेंसी एमएस टीसीएस की ओर से तकनीकी गड़बड़ी सामने आई थी। इसी कारण परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित हुई और कई केंद्रों पर समय पर एग्जाम शुरू नहीं हो पाया। एजेंसी ने बाद में स्थिति को संभालते हुए जरूरी बदलाव किए। दरअसल शनिवार को सभी परीक्षा केंद्रों पर सुबह 8 बजे ही प्रवेश प्रक्रिया बंद कर दी गई थी। बड़ी संख्या में छात्र समय से पहले केंद्रों पर पहुंच गए थे लेकिन परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले तकनीकी समस्या आ गई। जिससे पूरी प्रक्रिया रुक गई। कई केंद्रों पर छात्र घंटों तक बैठे रहे लेकिन परीक्षा शुरू नहीं हुई। इस दौरान अभ्यर्थियों में भ्रम की स्थिति बनी रही। वहीं केंद्रों के बाहर खड़े अभिभावकों में भी नाराजगी देखने को मिली। पता चला है कि नोएडा सेक्टर-64 स्थित आदर्श परीक्षा केंद्र में हालात और भी खराब रहे। यहां सैकड़ों छात्र सुबह से परीक्षा देने पहुंचे थे, लेकिन तकनीकी खामी के कारण परीक्षा शुरू ही नहीं हो सकी। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार परीक्षा को रद्द करना पड़ा। इससे छात्रों और उनके अभिभावकों में भारी रोष देखने को मिला। तकनीकी समस्या सामने आने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने तुरंत दोपहर सत्र की परीक्षा का समय बदल दिया। नए शेड्यूल के अनुसार अब रिपोर्टिंग और एंट्री दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगी। परीक्षा का समय भी बदलकर शाम 4:00 बजे कर दिया गया है, जबकि पहले यह दोपहर 3:00 बजे तय था। एजेंसी ने यह भी साफ किया कि सुबह के अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र हल करने के लिए पूरा निर्धारित समय दिया जा रहा है। परीक्षा समाप्त होने के बाद ही उन्हें केंद्र से बाहर जाने की अनुमति दी गई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर खेद व्यक्त किया है। एजेंसी का कहना है कि तकनीकी समस्या का समाधान कर लिया गया है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी अभ्यर्थी को नुकसान न हो। एजेंसी ने भरोसा दिलाया कि सभी प्रभावित छात्रों को अतिरिक्त समय दिया जाएगा, ताकि परीक्षा निष्पक्ष तरीके से पूरी हो सके।

सरकार को सीधे ठहराया जिम्मेदार

परीक्षाओं में लगातार हो रही गड़बड़ियों को लेकर ज्यादातर अभ्यार्थी सरकार के इंतजाम से बेहद परेशान हैं। कई अभ्यार्थियों ने बताया कि वे महीनों से परीक्षा के लिए तैयारी करते हैं। मगर जब परीक्षा देने की बारी आती है तो सेंटर पर कभी इंतजाम नहीं होते तो कभी परीक्षा ही लीक हो जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे तो इस देश के बच्चों का भविष्य ही खतरे में है। रोजगार के तो युवाओं को पहले ही लाले पड़े हैं। अगर ऐसे परीक्षाओं में बदइंतजामी होने लगी तो फिर युवाओं का भविष्य तो अंधकारमय होना तय है।

यहां करें संपर्क

परीक्षा से जुड़ी किसी भी समस्या या जानकारी के लिए उम्मीदवार हेल्पलाइन नंबर +91-11-40759000 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा **cuet-ug@nta.ac.in** ईमेल के माध्यम से भी सहायता ली जा सकती है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा से जुड़ी सभी अधिकारिक अपडेट और जानकारी के लिए सीयूईटी की वेबसाइट पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

गेस्ट टीचरों को तुरंत नियमित करे सरकार

- वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रहे गेस्ट टीचरों के हितों की अनदेखी करना दुर्भाग्यपूर्ण : पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बराड़ा। मुलाना से कांग्रेस विधायक पूजा चौधरी

मुलाना विधायक पूजा ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा गेस्ट टीचरों को नियमित करने संबंधी दिए गए फैसले का स्वागत करते हुए प्रदेश सरकार से बिना देरी किए अतिथि अध्यापकों को नियमित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहे गेस्ट टीचरों के हितों की अनदेखी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। विधायक ने अपने जारी प्रेस बयान में कहा कि यह मामला केवल हजारों शिक्षकों के रोजगार और भविष्य से जुड़ा नहीं है, बल्कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था तथा लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से भी संबंधित है। उन्होंने कहा कि गेस्ट टीचर लंबे समय से सरकारी विद्यालयों में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं और शिक्षा व्यवस्था को संभालने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विधायक ने कहा कि हाईकोर्ट का फैसला गेस्ट टीचरों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। उन्होंने अतिथि अध्यापकों को बधाई देते हुए कहा कि न्यायालय के निर्णय ने उन दावों की भी पोल खोल दी है, जिनमें भाजपा सरकार द्वारा बार-बार यह कहा जाता रहा कि गेस्ट टीचरों की नियुक्तियां नियमों के अनुरूप नहीं थीं। पूजा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने, शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गेस्ट टीचरों की नियुक्तियां की गई थीं। उस समय सभी निर्धारित प्रक्रियाओं और मानकों का पालन किया गया था। उन्होंने कहा कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट भी कांग्रेस सरकार द्वारा वर्ष 2014 में बनाई गई नियमितीकरण नीतियों को उचित ठहरा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने वर्षों से सेवाएं दे रहे गेस्ट टीचरों को नौकरी की स्थिरता और उनके अधिकारों से वंचित रखा है। अब जबकि उच्च न्यायालय ने भी उनके पक्ष में स्पष्ट निर्देश दिए हैं, सरकार को चाहिए कि वह किसी प्रकार की देरी न करते हुए गेस्ट टीचरों को नियमित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करे। विधायक पूजा ने कहा कि प्रदेश के हजारों गेस्ट टीचर लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अब सरकार को न्यायालय के निर्देशों का सम्मान करते हुए उनके हित में सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि गेस्ट टीचरों को नियमित करना शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मानसून से पहले मेयर ने लिया सफाई का जायजा

- जगाधरी गेट, प्रेम नगर और इंको ड्रेन की नहीं हुई अच्छे से सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। सफाई को लेकर जरूरी निर्देश देती मेयर अक्षिता सैनी। *फोटो : हरिभूमि*

मानसून सीजन को देखते हुए अंबाला शहर की मेयर अक्षिता सैनी ने शनिवार को मोर्चा संभाल लिया। मेयर ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर ड्रेनों एवं नालों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जगाधरी गेट, प्रेम नगर क्षेत्र तथा इन्को ड्रेन सहित कई स्थानों पर पहुंचकर सफाई कार्यों का जायजा लिया और नगर निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मेयर अक्षिता सैनी ने कहा कि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाने के लिए ड्रेनों और नालों की समयबद्ध एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उन स्थानों की भी समीक्षा की जहां बरसाती पानी की निकासी में किसी प्रकार की बाधा या समस्या सामने आ रही थी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ऐसे सभी बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मेयर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मानसून शुरू होने से पहले सभी ड्रेनों, नालों एवं जल निकासी तंत्र की सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया जाए, ताकि शहरवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि नगर निगम को जल निकासी से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पहले से ही दुरुस्त रखनी होंगी। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि मानसून सीजन के मद्देनजर डीजल पंप, वॉटर पंप एवं अन्य आवश्यक मशीनरी और संसाधनों को पूरी तरह कार्यशील स्थिति में रखा जाए, ताकि आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। मेयर ने कहा कि प्लास्टिक, पॉलीथीन एवं अन्य कचरे को नालों और ड्रेनों में न फेंकें। उन्होंने कहा कि पॉलीथीन और कचरे के कारण नाले अवरुद्ध हो जाते हैं, जिससे बरसाती पानी की निकासी प्रभावित होती है।

विद्यार्थियों को दी पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन की जानकारी

- एमडीएसडी कॉलेज में हुआ वैश्विक शैक्षणिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। कार्यक्रम में मौजूद कॉलेज छात्र। *फोटो : हरिभूमि*

एमडीएसडी कॉलेज के विद्यार्थियों ने एनडीएलआई क्लब द्वारा आयोजित वैश्विक शैक्षणिक कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। ग्लोबल इवेंट में पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन के विशेषज्ञ डॉ. प्रसाद मोदीक ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार सांझा किए। इस कार्यक्रम में एमडीएसडी कॉलेज एनडीएलआई क्लब के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी दर्ज कराई। वैश्विक स्तर के इस ज्ञानवर्धक सत्र से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की सहभागिता को सफलतापूर्वक समन्वित एमडीएसडी कॉलेज की लाइब्रेरियन एवं एनडीएलआई क्लब, एमडीएसडी कॉलेज की अध्यक्ष डॉ. कौशल चौहान द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को कार्यक्रम में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया, ऑनलाइन जॉइनिंग स्टेप्स तथा सर्टिफिकेट डाउनलोड करने की पूरी जानकारी पहले ही उपलब्ध करवाई, जिससे सभी प्रतिभागी बिना किसी कठिनाई के सत्र में शामिल हो सके।

शातिर वाहन चोर काबू, चोरी के चार वाहन बरामद

अंबाला। वाहन चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एंटी व्हीकल थेफ्ट की टीम ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल और दो एक्टिवा स्कूटी सहित कुल चार दो-पहिया वाहन बरामद किए गए हैं। थाना अंबाला शहर में दर्ज बाइक चोरी के एक मामले को सुलझाते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक ऋषिपाल के कुशल नेतृत्व में पुलिस ने सूचना के आधार पर जाल बिछाकर आरोपी को काबू किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान जॉनी उर्फ बाबा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से गांव नागल गढ़ोली (थाना शहजादपुर) का रहने वाला है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी बेहद शातिर किस्म का वाहन चोर है। उसने थाना अंबाला शहर क्षेत्र के अलावा अंबाला छावनी और थाना महेश नगर क्षेत्र से भी दो-पहिया वाहन चोरी करने की वारदातों को कबूल किया है। बरामद किए गए चारों वाहन आरोपी के खिलाफ पहले भी बाइक व गृह भेदन के 6 मामले दर्ज है। बता दें कि अंबाला शहर के बंद फाटक एरिया के रहने वाले देव राज की मोटरसाइकिल बीते 10 मई को चोरी हो गई थी।

'लोक अदालत सस्ते न्याय का सशक्त माध्यम'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

- 15 करोड़ 51 लाख 75 हजार 345 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया

जिला मुख्यालय में स्थित न्यायिक परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार चेक बाउंस धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत कार्यक्रम की देखरेख जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम चेयरपर्सन पूनम सुनेजा ने की। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग ने बताया कि विशेष लोक अदालत में पूनम सुनेजा जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जयवीर सिंह अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, शिफा करण सिंह अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सौरभ गुप्ता अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जसबीर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, मोनिका मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, विवेक सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, परिंदर सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, जश्नप्रीत सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, महक प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, श्रीस्प्रीत कौर प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट जींद, योगेश कौशिक प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट, संदीप कुमार ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट नरवाना, अश्विन गुप्ता प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट नरवाना एकमजोत कौर, प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, नरवाना, अमनदीप ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट सफीदों, अमित नैन प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट सफीदों, अनीशा रानी प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट सफीदों के बेंच गठित किए गए। विशेष लोक अदालत में कुल 199 मामले रखे गए। इनमें से 51 मामलों का मौके पर ही निपटा किया गया इसमें 15 करोड़ 51 लाख 75 हजार 345 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग ने कहा कि लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक लोगों को उठाना चाहिए। क्योंकि लोक अदालत के मामले का निपटारा आपसी सहमति से होता है।

ईटेक इंजीनियर्स कंपनी में लाखों की चोरी,केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

गांव कक्कड़ माजरा स्थित 'ईटेक इंजीनियर्स' कंपनी में चोरों द्वारा दीवार फांदकर भारी मात्रा में कीमती सामान चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कंपनी के एचआर की शिकायत पर चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में कंपनी के एचआर अंकित कुमार सिंह ने बताया कि घटना 28 मई 2026 की रात करीब 12:00 बजे की है। चोरों ने कंपनी के प्लांट की दीवार फांदी और अंदर दाखिल होकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, चोरों ने कंपनी के प्लांट से भारी मात्रा में कीमती सामान समेट लिया, जिसमें मुख्य रूप से कॉपर केबल (तांबे के तार), एमआईजी टॉर्च ग्राइंडिंग मशीन, एमआईजी रोल,पॉवर केबल तथा अन्य महत्वपूर्ण सामान घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चोरों की तलाश के लिए आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद कर लिया जाएगा।

शादी से पहले 19 वर्षीय युवती लापता, लिव इन में पार्टनर के साथ रह रही थी

अंबाला। प्रीत नगर इलाके से एक 19 वर्षीय युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। युवती अपने लिव-इन पार्टनर के साथ रह रही थी। अगले महीने दोनों परिवारों की सहमति से उनकी शादी होनी तय थी। युवती के पार्टनर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दी शिकायत में युवती के पार्टनर ने बताया कि वह एसी रिपेयरिंग का काम करता है। वह बीते दिन शाम करीब 5 बजे काम के सिलसिले में घर से बाहर गया हुआ था। जब वह रात करीब 8 बजे वापस लौटे, तो उनकी मंगेतर घर पर नहीं मिली। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास तलाश की। इसके बाद युवती के मूल निवास सुहाना (मुलाना) और अन्य संभावित ठिकानों पर काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। लापता युवती का कद 5 फुट 2 इंच है, उसका रंग गेहूंआ, चेहरा पतला और शरीर फुर्तीला है। गायब होने के समय उसने हरे रंग की टी-शर्ट, काले रंग का लोअर और पैरों में काली चप्पल पहनी हुई थी।

संदिग्ध हालात में दो युवतियां लापता, केस

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से दो युवतियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबिंधत थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस मामलो की जांच कर रही है। गांधी नगर नरवाना निवासी एक व्यकित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी बेटी घर से गायब हो गई। वहीं श्याम नगर निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी नाबालिग बेटी भी घर से गायब हो गई। दोनों अभिभावकों ने उन्हें तलाशा भी लेकिन उनका कोई सुराग नही लगा। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

2 से ऑनलाइन आवेदन, निःशुल्क बस पास की मिलेगी सुविधा

आईटीआई होली में प्रवेश शुरू, 27 ट्रेडों में मिलेगा मौका

सभी वर्ग की छात्राओं को मिलेगी एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बराड़ा। आईटीआई का बाहरी दृश्य।

कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के दिशा-निर्देशानुसार राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) एट होली में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ की जा रही है। इच्छुक अभ्यर्थी 2 जून 2026 से 15 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद युवाओं का रुझान तकनीकी एवं कौशल आधारित शिक्षा की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में आईटीआई में प्रवेश विद्यार्थियों के लिए रोजगारपरक शिक्षा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर है। संस्थान में विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिससे उन्हें सरकारी नौकरी, निजी कंपनियों, अप्रेंटिसशिप, स्वरोजगार तथा विदेशों में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं। संस्थान के प्रधानाचार्य अश्वनी कुमार ने बताया कि आईटीआई होली में आधुनिक सुविधाओं एवं अनुभवी प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि विद्यार्थी उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकसित कर सकें।

सामान्य वर्ग के लिए सौ रुपये आवेदन शुल्क

प्रधानाचार्य ने बताया कि 10वीं पास विद्यार्थी दो वर्षीय आईटीआई कोर्स पूर्ण करने के बाद हिन्दी या अंग्रेजी भाषा का एक विषय उत्तीर्ण कर 12वीं के समकक्ष योग्यता भी प्राप्त कर सकते हैं। दाखिले हेतु शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, फैमिली आईडी, आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी एवं नवीनतम फोटो आवश्यक होंगे। आवेदन शुल्क सामान्य वर्ग के लिए 100 रुपये, आरक्षित वर्ग के लिए 50 रुपये तथा महिला अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क रहेगा। संस्थान में हेल्प डेस्क भी स्थापित किए जाएंगे, जहां अभ्यर्थी बिना किसी शुल्क के ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com | छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 मई 2026

विशेष: विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

यह चिंताजनक बात है कि प्रकृति की निकटता का महत्व समझते हुए भी आज के समय में अधिकांश लोग उससे दूर होकर दिन के कई घंटे विभिन्न डिजिटल स्क्रीन के साथ बिताते हैं। इससे कई समस्याएं पैदा होती हैं। इनसे बचने के लिए हमें प्रकृति के सान्निध्य में रहना चाहिए। साथ ही उसे स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने का संकल्प भी हमें लेना चाहिए।

प्रकृति से जुड़ाव सुधारेगा स्वास्थ्य
बेहतर होगा पर्यावरण

कवर स्टोरी / स्नेहा सिंह

आज हम सब तकनीक के उन्नत दौर में जी रहे हैं। स्मार्टफोन, लैपटाप, टैबलेट और टेलीविजन जैसे उपकरणों ने हमारे जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन इसी सुविधा ने हमें धीरे-धीरे प्रकृति से दूर भी कर दिया है। सुबह आंख खुलते ही हाथ मोबाइल तक पहुंचता है और रात में नींद आने तक स्क्रीन हमारी आंखों के सामने रहती है। ऐसा लगता है मानो आधुनिक जीवन का हर पल किसी न किसी डिजिटल उपकरण से जुड़ गया हो।

तकनीक का नकारात्मक प्रभाव: तकनीक ने संचार, शिक्षा, व्यापार और मनोरंजन के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन कर दिया है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही गंभीर है। लगातार स्क्रीन के सामने रहने की आदत ने हमारे शरीर और मन दोनों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। यही कारण है कि आज पूरी दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स की अवधारणा तेजी से बढ़ रही है। इसका सीधा अर्थ है, कुछ समय के लिए डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाकर प्रकृति के करीब जाना जरूरी है।

बहुत कारगर है नेचर हीलर: आज विज्ञान भी यह स्वीकार कर चुका है कि प्रकृति केवल सौंदर्य निहारने का माध्यम नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली चिकित्सक की तरह भी होती है। पेड़, हरियाली, खुला आकाश, मिट्टी और ताजी हवा हमारे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी औषधि से कम नहीं होते हैं। जब कोई व्यक्ति प्रकृति के बीच समय बिताता है, तब उसके शरीर में कई सकारात्मक जैव-रासायनिक परिवर्तन शुरू हो जाते हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बगीचे में घास पर नंगे पैर चलना अत्यंत लाभदायक है। इस प्रक्रिया को अर्थिंग या ग्राउंडिंग कहा जाता है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य का पृथ्वी से सीधा संपर्क लगभग समाप्त कर दिया है। डामर की सड़कें, सीमेंट के फर्श और रबर के जूते हमें प्रकृति से अलग कर चुके हैं। जबकि हमारे पैरों के तलवों में शरीर के विभिन्न अंगों से जुड़े तंत्रिका बिंदु होते हैं। घास और मिट्टी पर चलने से इन बिंदुओं पर प्राकृतिक दबाव पड़ता है, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

प्रकृति केवल मानसिक शांति ही नहीं देती, बल्कि शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है। पेड़-पौधे वातावरण में फाइटोनसाइड्स नामक जैविक रसायन छोड़ते हैं। ये तत्व मनुष्य के शरीर में जाकर श्वेत रक्त कोशिकाओं की सक्रियता बढ़ाते हैं, जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है। नीम, पीपल, बरगद और अन्य विशाल वृक्ष केवल छाया देने का काम नहीं करते, बल्कि वे वातावरण को शुद्ध बनाकर हमारे स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं। यही कारण है कि गांवों और हरियाली वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का मानसिक संतुलन और शारीरिक स्वास्थ्य अकसर बेहतर पाया जाता है।

स्क्रीन की लत से बिगड़ता स्वास्थ्य: अगर आप वर्किंग हैं तो ऑफिस का ज्यादातर काम कंप्यूटर पर होता है, खाली समय मोबाइल पर स्क्रॉल करते बीतता है और मनोरंजन टेलीविजन या ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए होता है। परिणामस्वरूप शरीर लगातार कृत्रिम रोशनी के संपर्क में रहता है। मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट आंखों पर सबसे अधिक दुष्प्रभाव डालती है। इससे आंखों में जलन, सूखापन और धुंधलापन बढ़ने लगता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से सिरदर्द, गर्दन और कंधों में दर्द तथा मांसपेशियों में जकड़न जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बच्चे हों या बड़े, लगभग हर आयु वर्ग इसके दुष्प्रभावों का सामना कर रहा है।

सबसे गंभीर प्रभाव हमारी नींद पर पड़ता है। रात में देर तक मोबाइल देखने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन बाधित होता है, जो नींद को नियंत्रित करता है। परिणामस्वरूप अनिद्रा, बेचैनी और मानसिक थकान बढ़ने लगती है। धीरे-धीरे यह स्थिति तनाव, अवसाद और चिड़चिड़ेपन का कारण बन जाती है।

आंखों-मस्तिष्क को मिले आराम: लगातार स्क्रीन देखने से आंखों की मांसपेशियां थक जाती हैं। हमारा ध्यान केवल नजदीकी वस्तुओं पर केंद्रित रहता है, जिससे आंखों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसके विपरीत जब व्यक्ति हरियाली और दूर तक फैले प्राकृतिक दृश्यों को देखता है, तो आंखों को आराम मिलता है।

हरा रंग आंखों के लिए सबसे आरामदायक माना जाता है। प्रकृति की हरियाली आंखों की थकान कम करती है और मानसिक तनाव को भी घटाती है। यही कारण है कि पार्क में कुछ समय बिताने के बाद व्यक्ति स्वयं को अधिक शांत और ताजगी से भरा महसूस करता है।

पौधों के संग बिताएं समय: आज के दौर में लोग अधिकांश समय डिजिटल दुनिया से जुड़े रहते हैं। आधुनिक जीवन की भाग-दौड़ में यदि हम प्रतिदिन कुछ समय प्रकृति के साथ बिताएं तो अपने शरीर और मस्तिष्क को पुनः ऊर्जावान बना सकते हैं। इसके लिए हम रोज कुछ समय अपने गार्डन में या बालकनी के गमलों में लगे पौधों की देखभाल कर सकते हैं। सुबह-शाम उनको पानी दे सकते हैं। उनकी मिट्टी की गुड़ाई कर सकते हैं, उसकी सफाई कर सकते हैं। इससे आपको पेड़-पौधों के करीब रहने का अवसर मिलेगा। यही नहीं आप रोज सुबह-शाम अपने आस-पास के किसी पार्क में वॉक करने जा सकते हैं। कुछ देर वहां की ताजी हवा में सांस ले सकते हैं। पेड़ों के झुरमुट में पक्षियों के कलरव को सुन सकते हैं। यकीन मानिए, पूरे दिन में से प्रकृति के करीब बिताए गए कुछ मिनट आपको न केवल ताजगी से भर देंगे, आपको प्रकृति की महत्ता का अहसास भी कराएंगे। जाहिर है, इससे आप प्रकृति के प्रति, अपने आस-पास के वातावरण के प्रति संवेदनशील बनेंगे। आप उसको स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए भी प्रेरित होंगे। *

विशेष: विश्व साइकिल दिवस 3 जून

साइकिलिंग का डबल फायदा
स्वस्थ शरीर-शुद्ध वातावरण

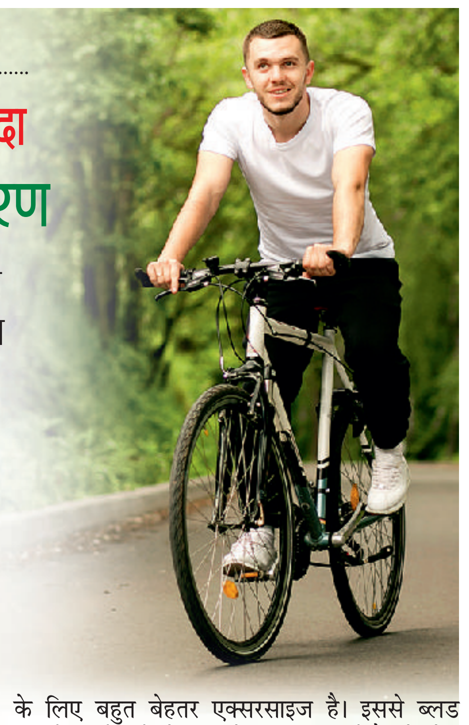

भले ही आज की फास्ट लाइफ में साइकिल चलाना कम ही लोग पसंद करते हैं। लेकिन इसे चलाने से न केवल स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे मिलते हैं, पर्यावरण को शुद्ध रखने में भी यह मददगार है। इससे होने वाले तमाम फायदों पर एक नजर।

अवेयरनेस / नम्रता नदीम

आज के दौर में खान-पान में होने वाले बदलाव, निष्क्रिय जीवनशैली और जीवन में बढ़ते तनाव के कारण कम उम्र में ही लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इसीलिए डॉक्टर्स स्वस्थ रहने के लिए फिजिकल एक्टिविटी को बेहद जरूरी मानते हैं। इन एक्टिविटीज में साइकिलिंग को बहुत कारगर माना जाता है, जिसे करके हम न केवल वजन घटा सकते हैं, कई बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं, साथ ही अपने आस-पास के वातावरण को भी प्रदूषणमुक्त रखने में अपना योगदान दे सकते हैं।

वातावरण को लाभ: साइकिल में पेट्रोल, डीजल या किसी अन्य प्रकार का ईंधन इस्तेमाल नहीं होता है। इसलिए इससे वायु प्रदूषण बिल्कुल नहीं होता है। इसमें बिजली का भी यूज नहीं होता, इस तरह एनर्जी की बचत होती है। इसमें तेज आवाज वाले हॉर्न नहीं होते हैं, इससे ध्वनि प्रदूषण भी नहीं होता है। इसका आकार छोटा होता है, इससे ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होती है।

उपयुक्त समय-स्थान: साइकिल चलाने के लिए सुबह का समय सबसे उपयुक्त होता है, क्योंकि खाली पेट साइकिल चलाने से बॉडी फैट जल्दी बर्न होता है। शुरुआती दौर में सीधी सपाट रोड पर साइकिलिंग और बाद में ज्यादा कैलोरीज बर्न करने के लिए, वजन घटाने के लिए चढ़ाई पर भी साइकिलिंग की जा सकती है। जिस समय साइकिल चला रहे हों, अपने पोस्चर पर फोकस करें। साइकिल चलाते समय एक ही पोस्चर में न रहकर उसमें बदलाव करते रहें ताकि शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी जोर पड़े।

पैडलिंग: साइकिलिंग के रुटीन को शुरू करने से पहले कहां से पैडलिंग करनी है और कहां आराम से राइड करना है, यह ध्यान रखना जरूरी है। पैरों की मदद से जब पैडलिंग की जाती है तो पैर ऊपर से नीचे की तरफ एक्टिविटी करते हैं। इससे पैरों की मसल्स से लेकर शरीर के निचले हिस्से और ऊपर के हिस्से की मसल्स मजबूत होती हैं और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है।

होने वाले स्वास्थ्य लाभ: साइकिलिंग दिल के स्वास्थ्य के लिए बहुत बेहतर एक्सरसाइज है। इससे ब्लड सर्कुलेशन से जुड़े जोखिम को कम कर सकते हैं। जो लोग ऑफिस या किसी दूसरे स्थान पर दिन भर बैठकर काम करते हैं, उनके लिए साइकिलिंग इसलिए भी बेहतरीन एक्सरसाइज है, क्योंकि इससे डायबिटीज का खतरा कम होता है। साइकिल चलाने से इंसुलिन लेवल कम होता है। प्रतिदिन एक घंटे अगर साइकिलिंग की जाए तो 500 कैलोरी बर्न होती है और इससे वजन भी जल्दी कम होता है। विभिन्न शोध इस बात की ओर इशारा करते हैं कि पुरुषों ही नहीं महिलाओं के लिए भी साइकिलिंग एक फायदेमंद एक्सरसाइज है। यह उनमें ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को कम करती है। जोड़ों से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम करने के लिए भी साइकिलिंग काफी फायदेमंद होती है। अर्थराइटिस में भी यह एक अच्छी एक्सरसाइज है। इससे मसल्स मजबूत होती हैं और एनर्जी लेवल भी बढ़ता है। साइकिलिंग से हमें डिप्रेशन और टेंशन कम होता है।

बुजुर्गों के लिए फायदेमंद: जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिसके कारण व्यायाम करना मुश्किल होता है। लेकिन उम्र बढ़ने के बावजूद साइकिल चलाना एक ऐसा व्यायाम है, जो आसानी से हो सकता है और जिसके कई फायदे हैं। विभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि साइकिल चलाने से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी होती है। साइकिल चलाने से ओल्ड एज में भी निरोगता बढ़ती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने वालों में कैंसर, हृदय रोग और समय पूर्व मृत्यु की आशंका कम होती है। साइकिलिंग से पहले अतिरिक्त कार्बोहाइड्रेट डाइट लें। इस दौरान आप स्नैक्स भी ले सकते हैं। साइकिलिंग करते समय हाइड्रेट रहें। जो लोग सामाजिक रूप से दूसरों से अलग रह रहे हैं, इस उम्र में उनमें अवसाद की आशंका रहती है। इसलिए फ्रेंड्स के साथ साइकिलिंग करने से न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि आप खुशमिजाज जीवन जी सकते हैं। *

विशेष: तंबाकू निषेध दिवस 31 मई

इसलिए नहीं छूटती तंबाकू की लत

किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन बेहद खतरनाक होता है। ऐसे में केवल एक दिन ही नहीं हर रोज अनेक स्तरों पर प्रयास करने, लोगों को जागरूक किए जाने की जरूरत है।

प्रिकॉशन / लोकमित्र गौतम

हर साल 31 मई को दुनिया भर में 'वर्ल्ड नो टोबेको-डे' यानी विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। लेकिन हैरानी की बात ये है कि यह दिवस जोर-शोर से मनाए जाने के बावजूद आखिरकार दुनिया तंबाकू की जानलेवा गिरफ्त से बाहर क्यों नहीं आ पा रही है?

चिंता बढ़ाते आंकड़े: दुनिया भर में तंबाकू का सेवन लगातार बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल दुनिया में 70 लाख से ज्यादा लोग सीधे तंबाकू सेवन के कारण मौत का शिकार हो रहे हैं, जबकि 12 से 13 लाख लोग परोक्ष धूम्रपान यानी धूम्रपान करने वाले लोगों के साथ रहने के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं।

कई बीमारियों की वजह: कुछ लोगों को लगता है कि तंबाकू केवल फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन सच्चाई यही नहीं है। सच यह है कि तंबाकू सबसे ज्यादा तरह के कैंसर होने का कारण है। तंबाकू के सेवन से फेफड़ों का कैंसर होता है, मुंह का कैंसर, गले और जीभ का कैंसर, स्वर यंत्र का कैंसर, अन्न नली, पेट और अग्नयाशय का कैंसर, ये सभी तरह के कैंसर विशेषकर भारत में गुटखा, खैनी और जर्दा खाने के कारण हो रहे हैं। इसके अलावा भी तंबाकू के सेवन से हार्ट अटैक, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप और हृदय की धमनियों का संकुचन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। तंबाकू के लगातार सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर हो जाती है और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है। घाव मुश्किल से भरते हैं। अगर गर्भवती महिलाएं तंबाकू का सेवन करती हैं, तो समय से पहले प्रसव की समस्या पैदा हो जाती है, पैदा होने वाले बच्चे का वजन बहुत कम रह जाता है, गर्भपात का खतरा 30 फीसदी ज्यादा बढ़ जाता है और नवजात की मृत्यु का जोखिम सामान्य से कई गुना ज्यादा हो जाता है। इस तरह देखें तो तंबाकू के सेवन से एक नहीं अनेक तरह के स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं।

युवाओं में बढ़ा ट्रेंड: दुनिया में तंबाकू का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। अगर विशेष तौर पर युवाओं की बात करें तो वे फिटनेस एप डाउनलोड कर रहे हैं, जिम जा रहे हैं, ऑर्गेनिक भोजन पर जोर दे रहे हैं, लेकिन सिगरेट, गुटखा और विभिन्न निकोटिन उत्पादनों की लत से निकल नहीं पा रहे। पहले जहां बीड़ी और सिगरेट ही युवाओं को गिरफ्त में लेने के दो बड़े तंबाकू उत्पाद थे, वहीं अब फ्लेवर्ड वेप, ई-सिगरेट, निकोटिन पाउच और न जाने कितने आकर्षक पैकेजिंग वाले तंबाकू उत्पाद बाजार में आ गए हैं, जिनके मोहजाल से युवा तो छोड़िए, किशोर भी नहीं छूट पा रहे। कंपनियां इन्हें कूल, स्टाइलिश और तनाव दूर करने वाला बताकर पेश करती हैं। सोशल मीडिया पर फिल्मों, वेब सीरीज और इंफ्लूएंसर संस्कृति ने भी धूम्रपान को एक नई तरह के ग्लैमर से जोड़ दिया है। इसलिए यंगस्टर्स इसकी गिरफ्त में बढ़ते जा रहे हैं।

कारगर नीति की है कमी: भारत की स्थिति तो विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े तंबाकू उपभोक्ता देशों में शामिल है। यहां धूम्रपान के अलावा चबाने वाले तंबाकू का भी एक भारी-भरकम बाजार है। गुटखा, खैनी, जर्दा, पान मसाला और सुगंधित निकोटिन उत्पाद, गांवों से लेकर महानगरों तक युवाओं की कमजोरी बनकर रह गए हैं। सरकार एक तरफ तो तंबाकू के सेवन पर बहुत चिंतित होती है, दूसरी तरफ हर तरह के तंबाकू उत्पाद गांवों से लेकर शहरों तक हर जगह इतनी आसानी और इफरात में उपलब्ध हैं कि जरा-सा इनकी तरफ कोई फिसला नहीं कि हमेशा के लिए इसके चक्रव्यूह में फंसकर रह जाता है।

हद तो यह है कि जैसे-जैसे विकास के नाम पर, आधुनिकीकरण के नाम पर, तेज रफ्तार लाइफस्टाइल के नाम पर, लोग स्मार्ट हो रहे हैं, वैसे-वैसे तंबाकू उत्पादन के सेवन को सामान्य आदत मानते जा रहे हैं। इसीलिए हर साल 'नो टोबेको-डे' की रस्म अदायगी के बावजूद तंबाकू का सेवन पूरी दुनिया में दिन दूनी, रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है। इसलिए विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल प्रतिबंध से बात नहीं बनने वाली बल्कि धूम्रपान के विरुद्ध एक जन सांस्कृतिक अभियान की जरूरत है, तब कुछ असर होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

वरिष्ठ साहित्यकार ज्ञान चतुर्वेदी के व्यंग्यों का नया संग्रह 'बाराखड़ी' हाल में छपकर आया है। इसमें कुल 61 व्यंग्य संकलित हैं। पुस्तक की भूमिका में उन्होंने लिखा है कि पिछली सदी की तुलना में इस सदी के तेजी से बदलते दौर में व्यंग्य लेखन की शैली का बदलना भी जरूरी है। इस संग्रह के व्यंग्यों से गुजरते हुए, उनकी यह बात सही साबित होती है। विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से ग्रस्त समाज की विडंबनाओं के नए-नए चेहरों को लेखक ने नए अंदाज में व्यंग्यों में अनावृत्त किया है। 'घोटालातुर' व्यंग्य में वे आम लोगों की मानसिकता पर सटीक कटाक्ष करते हुए कहते हैं, 'सभी कर रहे हैं, सब तरफ हो रहा है तो समय रहते मैं भी कर डालूं, यह सोचा है।' राजनीति किस तरह भोले-भाले इंसान के भरोसे के साथ खिलवाड़ करती है, और फिर वह हतप्रभ होकर अपना मार्ग बदल लेता है, इसे 'नारा रिपेयरिंग सेंटर' में पढ़ा जा सकता है। 'वह सालों तक खुशफहमी पाले रहा कि नारों पर अमल करके एक दिन यह देश बदल जाएगा, यहां क्रांति होगी।' पुस्तक के लगभग सभी व्यंग्य हमें झिंझोड़कर हमारी वह तस्वीर दिखाते हैं, जिन्हें देखने से हम बचना चाहते हैं। *

पुस्तक: बाराखड़ी (व्यंग्य-संग्रह), **लेखक:** ज्ञान चतुर्वेदी, **मूल्य:** 395 रुपए, **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

कहानी / रश्मि वैभव गर्ग

मन का पर्यावरण

सोमेश जी को जब मालूम हुआ कि घर के नवीनीकरण के लिए उनका पुराना साथी नीम का पेड़ कटने वाला है तो वे बहुत बेचैन हो गए। अपनी मनोदशा उन्होंने अपने पौत्र से साझा की। फिर जो हुआ, वे सुखद एहसास से भर गए।

सोमेश जी का मन आज कुछ व्याकुल-सा था। आज सुबह, उनका पुत्र राहुल और उनकी पुत्रवधु, घर के नवीनीकरण का प्रस्ताव लेकर उनके पास आए थे। दोनों ही पति-पत्नी नवीनीकरण को लेकर काफी उत्साहित थे, तकरीबन सब कुछ तय करके ही आए थे। बस सोमेश जी की सहमति की मुहर लगवाना चाहते थे।

अपने बेटे-बहू का उत्साह देखकर सोमेश जी भी खुश थे, लेकिन एक बात जो उनके मन को कचोट रही थी, वह यह थी कि उनके कमरे के बाहर बगीचे में एक पुराना नीम का पेड़ था, उसके कटवाए जाने की बात की जा रही थी।

सोमेश जी के जीवन पर्यंत का साथी, नीम का पेड़, जिसकी टहनियां अकसर उनके कमरे की खिड़की से अंदर आ जाती थीं, जिससे उन्हें लगता था मानो वो उनसे गलबहियां करना चाहती हों। पत्नी सुधा के निधन के बाद, वो नीम ही उनके अकेलेपन का साथी था, जो उनके जीवन के हर सुख और दुःख का साक्षी था। कभी-कभी जीवन में ऐसे सान्निध्य मिल जाते हैं, जो न केवल हमारे दिल के करीब होते हैं, वरन् उनसे भावनात्मक जुड़ाव, खून के रिश्तों से भी गहन हो जाता है।

सोमेश जी कभी बच्चों की खुशी से खिला चेहरा देखते, जिसमें घर के नवीनीकरण की तस्वीर सज रही थी, तो कभी अपना नीम के साथ बिताया एकाकीपन। अपने पिता की स्मृति को वो यूं भी खोना नहीं चाहते थे। बचपन से उस नीम की छांव तले ही तो बड़े हुए थे वे।

सोमेश जी चाहते थे कि घर के नवीनीकरण में उनका पुरातन साथी नीम का पेड़ भी बना रहे, जिससे वो अपना सुख-दुःख बांट सकें।

सोमेश जी अपनी दुविधा अपने बेटे-बहू से कह नहीं पा रहे थे। शायद दुविधायुक्त मन अपने करीबी लोगों को ढूंढ़ ही लेता है, इसलिए, सोमेश जी को अपने पौत्र पलाश की याद आई। पलाश इसी वर्ष इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए दूसरे शहर में चला गया था। सोमेश जी ने पलाश को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का सही साथी माना, लेकिन अपनी बात उन्हें फोन पर कहना उचित नहीं लगा। उन्होंने पलाश को एक पत्र लिखा।

प्रिय बेटा पलाश,

स्नेहाशीष

आशा है तुम कुशल होगे। शायद यह तुम्हारे जीवन का पहला खत होगा, आज की डिजिटल दुनिया में खतों का अस्तित्व मिट-सा गया है। लेकिन आज भी मुझे यह ही अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम लग रहा है, जिसमें मैं अपने आप को सहज महसूस कर रहा हूं। मेरे मन में एक कसक है, जिसको मैं तुमसे बांटना चाहता हूं। तुम्हारे माता-पिता घर का नवीनीकरण करवाना चाहते हैं, जिसमें वो नीम के पेड़ को कटवाना चाहते हैं। तुम जानते हो इस नीम से मुझे गहरा लगाव है, उसकी जड़ें मेरे जीवन की जड़ों से जुड़ी हैं। वो मेरे अकेलेपन का साथी है, साथ ही मेरे पिता द्वारा लगाया गया स्नेह भी है, जिसकी छाया में मैं बड़ा हुआ हूं। इस स्नेह को मैं भावी पीढ़ियों को भी हस्तांतरित करना चाहता हूं। मुझे उस पेड़ से भावनात्मक प्रेम है। आशा है तुम मेरे एहसास समझोगे बेटा और कोई उपयुक्त हल निकालोगे। यह पेड़ न केवल मेरी आत्मा से जुड़ा है वरन् हमारे घर के पर्यावरण और सकारात्मकता का प्रतिबिंब भी है।

असीम स्नेह के साथ

तुम्हारा दादा जी

सोमेश जी ने अपने मन के भाव खत में उकेर कर उसकी फोटो लेकर, पलाश को भेज दिया। सोमेश जी, बेसब्री से पलाश की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे थे। सृष्टि में एकाकी कोई नहीं, आज सोमेश जी को नीम का पेड़ अपने अकेलेपन का साथी लग रहा था, जिसके बचाव के लिए उन्होंने अपने दूसरे साथी पलाश को चुना। जीवन यात्रा में हर पड़ाव पर मन का साथी चाहिए।

कुछ समय पश्चात ही पलाश का व्हाट्सएप पर मैसेज आया, सोमेश जी ने तुरंत अपना फोन खोला और बेसब्री से उसे पढ़ना शुरू किया-

आदरणीय दादा जी

सादर अभिवादन

मैं कितना भाग्यशाली हूं कि जीवन में पहली चिट्ठी मुझे आपकी मिली, जिससे मुझे न केवल पत्रों का वजूद पता चला, बल्कि आपके स्नेहपूर्ण जज्बात भी पता चले। आप घर में सबसे बड़े हैं, आपकी भावनाएं घर के नवीनीकरण से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। नीम का पेड़ न केवल आपके जीवन का साक्षी है, बल्कि मेरे और मेरे पापा के जीवन का भी साक्षी है, तो ऐसे पेड़ को हम कैसे कटवा सकते हैं? साथ ही नीम रात्रि में ऑक्सीजन छोड़ने वाला पेड़ है, जो पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत लाभदायक भी है। मैं तीन दिन बाद घर आ रहा हूं। आकर मां, पापा से पेड़ को नहीं काटने की बात कर लूंगा, उन्हें कहूंगा कि मैं नहीं चाहता कि यह पेड़, जिसकी छांव में मैं बड़ा हुआ हूं, काटा जाए। उन्हें नीम का पर्यावरण में महत्त्व भी बताऊंगा। आप निश्चिंत रहें, और हां दादा जी, हम एक नया पौधा भी लगाएंगे, जिसके छांव तले हमारी भावी पीढ़ियां पल्लवित हों, ताकि उनसे मैं कह सकूं कि यह मेरे दादा जी की अमानत है, जो मेरे घर के पर्यावरण के साथ मेरे जीवन के सभी सुख-दुःख का भी साक्षी रहा है।

आपका सबसे छोटा दोस्त

पलाश

पलाश का ऐसा भावपूर्ण पत्र पढ़कर सोमेश जी की आंखें स्नेह से भर आईं। सोमेश जी सोच रहे थे कि जिस पेड़ की जड़ों में भावों का इतना अकूत खजाना हो, उसकी परवरिश कमतर कैसे हो सकती है। सोमेश जी का सीना गर्व से फूल गया कि पलाश आखिर इसी नीम की छांव में बड़ा जो हुआ है। यह सब सोचकर सोमेश जी मंद-मंद मुस्कुराते हुए सोच रहे थे। पेड़ न केवल पर्यावरण का संतुलन रखते हैं, वरन् मन के आंगन के पर्यावरण का भी भावनात्मक संतुलन बनाए रखते हैं। *

वैसे तो अपने देश में लगभग साढ़े छह लाख गांव हैं। लेकिन इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मिसाल कायम की है। अपनी इस उपलब्धि के चलते ये गांव न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं, पूरी दुनिया में आदर्श ग्राम के रूप में जाने जाते हैं। एक नजर ऐसे ही कुछ बेमिसाल गांवों पर।

पर्यावरण संरक्षण की मिसाल
ये स्वच्छ-सुंदर गांव

अनुकरणीय / शिखर चंद जैन

भारत के कई ग्रामीण इलाकों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्रकृति आधारित जीवनशैली के मामले में मिसाल कायम की है। ये गांव प्लास्टिक मुक्त जीवन, हरित ऊर्जा, वृक्षारोपण, संसाधनों के संतुलित उपयोग जैसी गतिविधियों के माध्यम से दुनिया को पर्यावरणीय स्वच्छता की राह दिखा रहे हैं। इनके बारे में जानकर आप भी जरूर प्रेरित होंगे।

ईश्वर का बगीचा मावलिननॉन्ग

मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में स्थित मावलिननॉन्ग गांव अपनी अनोखी स्वच्छता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है और इसे 'एशिया का सबसे स्वच्छ गांव' तथा 'ईश्वर का अपना बगीचा' भी कहा जाता है। यह गांव पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली और विशिष्ट खासी संस्कृति का एक प्रमुख केंद्र है। 'डिस्कवर इंडिया' पत्रिका द्वारा 2003 में इसे एशिया का और 2005 में भारत का सबसे स्वच्छ गांव घोषित किया गया था। इस गांव में प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध है और धूम्रपान भी वर्जित है। यहां के सभी निवासी मिलकर सामुदायिक सफाई करते हैं। सड़कों पर झाड़ू लगाना यहां के ग्रामीणों की दिनचर्या का हिस्सा है। इस गांव की साक्षरता दर लगभग 90 प्रतिशत है। यहां के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि और पर्यावरण-पर्यटन है। पर्यटकों के बीच लोकप्रिय इस गांव में कूड़ा इकट्ठा करने के लिए भी प्लास्टिक की बकेट नहीं बल्कि बांस के कूड़ेदान का उपयोग होता है।

स्वच्छता-समृद्धि की मिसाल हिवरे बाजार

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर (अहमदनगर) जिले में स्थित हिवरे बाजार गांव, जल संरक्षण और आत्मनिर्भरता के लिए दुनिया भर में एक आदर्श ग्राम माना जाता है। पद्मश्री पोपटराव पवार के नेतृत्व में इस गांव ने भयंकर सूखे और पलायन की स्थिति से उबरकर कृषि, स्वच्छता और समृद्धि के मामले में एक नई मिसाल कायम की है। यहां वाटरशेड विकास कार्यक्रम के तहत मिट्टी के 50 से अधिक बांध, चेकडैम और पौधारोपण किया गया। इससे भूजल स्तर इतना ऊपर आ गया है कि भयंकर गर्मी में भी पानी की कमी नहीं होती। सुनियोजित खेती, उन्नत पशुपालन और जल प्रबंधन के कारण गांव के परिवार आर्थिक रूप से संपन्न हो गए हैं। गांव में चारों तरफ हरियाली है। गांव में हर घर में शौचालय और सीवर लाइन की सुविधा है और इसे पूरी तरह से मच्छर-मुक्त गांव माना जाता है। कभी सूखे से जूझने वाला यह गांव आज जल संरक्षण और वाटरशेड प्रबंधन का मॉडल है।

एशिया का पहला ग्रीन विलेज खोनोमा

नागालैंड की राजधानी कोहिमा से लगभग 20 किमी. दूर स्थित खोनोमा गांव भारत ही नहीं, पूरे एशिया का पहला ग्रीन विलेज है। यह गांव जैव विविधता संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और जैविक खेती के लिए जाना जाता है। अंगामी जनजाति द्वारा बसा यह गांव अपने अदम्य साहस, अनूठी संस्कृति और प्रकृति-संरक्षण के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। खोनोमा के निवासियों ने स्वैच्छिक रूप से शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया है और जंगलों, लुप्तप्राय जीवों का संरक्षण शुरू किया है। इसके परिणामस्वरूप 2005 में इसे एशिया का पहला हरित गांव घोषित किया गया। यह स्थान पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन का बेहतरीन केंद्र है। यहां के घर पूरी तरह से लकड़ी, बांस और पत्थरों से बने हुए हैं। गांव में सीढ़ीनुमा धान की खेती की जाती है। यहां का प्राकृतिक नजारा बेहद मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। यह गांव तंबाकू और शराब मुक्त क्षेत्र भी है। यहां के निवासियों ने शिकार और वनों की कटाई पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाकर एक वन्यजीव अभयारण्य भी विकसित किया है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ महिला सशक्तिकरण धरहरा

बिहार के भागलपुर जिले के गोपालपुर प्रखंड में स्थित धरहरा गांव अपनी अनूठी पर्यावरण हितैषी और महिला सशक्तिकरण परंपरा के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इस गांव की खास बात यह है कि यहां जब भी किसी घर में बेटी जन्म लेती है, तो परिवार के लोग घर के आंगन या अपने खेतों में कम से कम 10 फलदार पौधे लगाते हैं। जब बेटियां बड़ी होती हैं, तो इन पेड़ों से होने वाली आय उनकी शिक्षा, शादी या अन्य आर्थिक जरूरतों के लिए एक मजबूत सहारा बनती हैं। इस पुरानी परंपरा के कारण 20,000 से अधिक फलों के पेड़ों की हरियाली के बीच बसा यह गांव पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण का भी एक आदर्श उदाहरण बन गया है। *

ईको-फेमिनिज्म का प्रतीक पिपलांत्री

राजस्थान के राजसमंद जिले का पिपलांत्री गांव अपनी अनूठी 'ईको-फेमिनिज्म' परंपरा के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। यहां बेटियों के जन्म को केवल एक पारिवारिक खुशी नहीं, बल्कि प्रकृति के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। गांव में जब भी किसी बेटी का जन्म होता है, तो सभी ग्रामीण मिलकर उसके सम्मान में 111 पौधे लगाते हैं। यह परंपरा गांव के पूर्व सरपंच श्याम सुंदर पालीवाल ने अपनी दिवंगत बेटी की याद में शुरू की थी। इस अनूठी पहल के लिए उन्हें पद्म श्री से भी सम्मानित किया जा चुका है। कभी संगमरमर की खदानों के कारण बंजर और जल संकट से जूझने वाला यह गांव, आज तीन लाख से भी अधिक पेड़ों के कारण पूरी तरह हरा-भरा हो चुका है। इससे यहां के भूजल स्तर में भी काफी सुधार हुआ है। यहां बेटियां और महिलाएं पेड़ों को राखी बांधती हैं और उन्हें अपने भाई की तरह सुरक्षा देने का संकल्प लेती हैं। पिपलांत्री का यह मॉडल आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर सामाजिक बदलाव और पर्यावरण संरक्षण की एक मिसाल बन चुका है।

जागरूकता / अंजू जैन

आज पूरी दुनिया पर्यावरणीय संकट का सामना कर रही है। इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए सांगठनिक एवं व्यक्तिगत स्तर पर अनेक अनूठे-आधुनिक प्रयास शुरू किए गए हैं। क्या है इन प्रयासों की खासियतें, जानिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए
ये अनूठी पहल हैं सराहनीय

पर्यावरण संकट आज एक वैश्विक समस्या बन चुका है। जल, भूमि और वायु प्रदूषण पर्यावरण-असंतुलन के प्रमुख कारण हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए दुनिया भर में कई अत्याधुनिक और कारगर उपाय अपनाए जा रहे हैं।

ग्रीन रूफ प्रोग्राम: अमेरिका और यूरोप के कई शहरों में इमारतों की छतों पर बगीचे बनाने की पहल की जा रही है, जो शहरी तापमान को कम करने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में मदद करती है।

ग्रेट ग्रीन वॉल (अफ्रीका): यह सहारा मरुस्थल के विस्तार को रोकने के लिए अफ्रीका के 11 देशों में बनाई जा रही 8,000 किलोमीटर लंबी पेड़ों की एक विशाल

दीवार या कहें ग्रीन बेल्ट है, जो बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने के उद्देश्य से तैयार की जा रही है।

वर्टिकल गार्डंस: भारत समेत दुनिया के अन्य देशों में भी खास तौर से शहरों में इमारतों की दीवारों पर बगीचे बनाए जा रहे हैं। ये वर्टिकल गार्डंस हवा को शुद्ध करने और तापमान कम करने में मदद करते हैं।

बंदरगाहों के लिए कचरा पात्र सीबिन: सीबिन एक इनोवेटिव, तैरता हुआ कचरा पात्र है, जिसे विशेष रूप से बंदरगाहों, मरीन यॉट क्लबों और शांत जलक्षेत्रों से समुद्री प्रदूषण को साफ करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह समुद्र में प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए एक प्रभावी समाधान है। इस अनोखे कचरा पात्र को ऑस्ट्रेलियाई सर्फर्स एंड्रयू टर्टन और पीट सेग्लिंस्की द्वारा विकसित किया गया है।

प्लास्टिक का विकल्प एयरकार्बन: एयरकार्बन एक अनोखी जैव-सामग्री है, जिसे न्यूलाइट टेक्नोलॉजीज द्वारा विकसित किया गया है। यह तकनीक हवा में मौजूद ग्रीनहाउस गैसों (जैसे- मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड) को एक उपयोगी, कार्बन निगेटिव प्लास्टिक जैसी सामग्री में बदल देती है। यह एक थर्मोप्लास्टिक सामग्री है, जिसका उपयोग बैग, सेल फोन केस, कंटेनर, फर्नीचर, फैशन उत्पाद आदि बनाने में किया जा रहा है। एयरकार्बन प्राकृतिक रूप से नष्ट होने योग्य (बायोडिग्रेडेबल) है। यह प्लास्टिक का एक बेहतरीन टिकाऊ और ईकोफ्रेंडली विकल्प है।

गन्ने से बनी बोतलें वेगनबॉटल: ये बोतलें गन्ने की पेराई के बाद बचे हुए कचरे (वेस्ट) से निर्मित की जाती हैं। ये बोतलें गन्ने से प्राप्त नवीकरणीय कच्चे माल (बायो-पॉलीमर) से बनी होती हैं। ये गन्ने से बनी बोतलें स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित होती हैं, क्योंकि इनमें बिसफेनोल और अन्य हानिकारक रसायन नहीं होते। इन बोतलों में प्लास्टिक की गंध या स्वाद नहीं आता। पारंपरिक प्लास्टिक के विपरीत, गन्ने से बनी बोतलें 180 दिनों के भीतर विघटित हो सकती हैं।

फूड वेस्ट से एनर्जी प्रोडक्शन: फूड वेस्ट को मलबे या कचरे के रूप में फेंकने के बजाय उसे बायोगैस फ्यूल और जैविक खाद में बदलना एक उपयोगी और पर्यावरण-अनुकूल प्रक्रिया है। इस तकनीक को अवायवीय पाचन (अनएरोबिक डाइजेशन) कहा जाता है। इस बायोगैस का उपयोग खाना पकाने,

बिजली उत्पादन, या बायो-सीएनजी के रूप में किया जा सकता है।

जलकुंभी से बायोचार सीड बॉल्स: जलकुंभी से बायोचार (एक विशेष प्रकार का चारकोल) सीड बॉल्स बनाना एक टिकाऊ कृषि और पर्यावरणीय पहल है। यह न केवल हानिकारक जलकुंभी का निपटान करता है, बल्कि मृदा स्वास्थ्य और फसल की पैदावार में सुधार के लिए एक प्रभावी समाधान भी है। जलकुंभी बायोचार सीड बॉल्स मिट्टी में पोषक तत्व, नमी और कार्बन को बनाए रखने में मदद करती हैं। इसका उपयोग जल शोधन के दौरान डाई और प्रदूषकों को हटाने के लिए भी किया जा सकता है। *

ट्रेंड / प्रतिमा अरोड़ा

सिर्फ प्रोटेक्शन नहीं फैशन भी है सनस्क्रीन

आज की तारीख में जेन-जी यानी 18 से 28 की उम्र वाले लड़के-लड़कियां सनस्क्रीन को सिर्फ स्किन प्रोटेक्शन का जरिया ही नहीं मानते बल्कि उनके लिए यह स्मार्टनेस और स्टाइलिश होने का भी जरिया है। इसलिए कॉलेज कैंपस से लेकर कॉफी कैफे, जिम, मेट्रो ट्रैवल के दौरान और सोशल मीडिया की फोटो गैलरी में, युवाओं की ज्यादातर गर्मियों की तस्वीरें एसपीएफ यानी सन प्रोटेक्शन फैक्टर की चर्चा और उसके लगे बिना अधूरी समझी जाती है।

सोशल मीडिया प्रेशर: आज की तारीख में चाहे फैशन हो या ब्यूटी ट्रेंड, सोशल मीडिया के प्रभाव से कुछ नहीं बचा। क्योंकि जब तक आपकी खूबसूरती की वाहवाही दिलाने वाली कोई फोटो इंस्टाग्राम या यू-ट्यूब शॉर्ट्स में न दिख जाए, तब तक युवाओं को उसके होने की फीलिंग ही नहीं होती। यही बात उनकी ब्यूटी स्टाइल पर भी लागू होती है। जैसे ही वह सजते-संवरते हैं, तुरंत अपनी एक फोटो खींचकर सोशल मीडिया में

डाल देते हैं। हाल के सालों में ब्यूटी इंफ्लुएंसर्स ने युवाओं का कुछ इस तरह से ब्रेन वॉश किया है कि उन्हें लगता है कि ग्लोइंग स्किन केवल मेकअप से ही नहीं बल्कि स्किन की सुरक्षा से भी आती है। यही वजह है कि आजकल यूथ सनस्क्रीन का सिर्फ धूप से बचने के लिए ही नहीं इस्तेमाल करता बल्कि स्किन को ग्लो करने के लिए भी यह जरूरी माना जाने लगा है।

हो रहे हैं पॉपुलर: बाजार में टिंटेड सनस्क्रीन, जैल बेस्ड एसपीएफ प्रोडक्शन बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। आज की तारीख में जिम जाने वाले युवा चाहे लड़के हों या लड़कियां, बिना सन प्रोटेक्शन और ढेर सारा परफ्यूम लगाए नहीं जाते। यही हाल बाइक राइडिंग या आउटडोर स्पोर्ट्स खेलने वालों का भी है। दरअसल, ये सनस्क्रीन को स्किन शील्ड समझने लगे हैं, विशेषकर छोटे शहरों और कस्बों में तो इसका कोई दूसरा विकल्प ही नहीं दिखता।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट: विशेषज्ञों का मानना है कि अपने देश जैसी परिस्थितियों में युवाओं को 50 फीसदी सुरक्षा देने वाले एसपीएफ का ही इस्तेमाल करना चाहिए। हल्की धूप में इसके इस्तेमाल को आदत नहीं बनाना चाहिए और हर दो-तीन घंटे के बाद सनस्क्रीन को धो देना चाहिए, इसके बाद फिर से उसे लगाना चाहिए। समुद्र किनारे घूमने या पहाड़ों पर सैर-सपाटे के लिए निकलते समय इसे अप्लाई करना स्किन केयर के लिहाज से फायदेमंद है। *

फैशन जोन
संध्या सिंह

तपती गर्मी के इस मौसम में यंगस्टर्स को लाइट और कंफर्टेबल फुटवियर ही भा रहे हैं। इनमें से कौन से हैं सबसे ट्रेंड में, जानिए।

इस सीजन में यंगस्टर्स की पसंद
लाइट-कंफर्टेबल फुटवियर

तपती धूप, बहता पसीना, लगातार आसमान से बरसती आग। गर्मियों में फैशन से पहले आराम का ध्यान रखना जरूरी है। इसलिए आमतौर पर बंद और फैशनेबल जूतों के शौकीन युवा भी इन दिनों हल्के-फुल्के, आरामदायक और जिनसे होकर हवा आर-पार गुजर जाती है, ऐसे फुटवियर की तलाश में रहते हैं। कॉलेज कैंपस से लेकर मेट्रो स्टेशन और ट्रैवल ब्लॉग तक हर जगह इन दिनों आरामदायक फुटवियर्स को ही तरजीह दी जा रही है। यही कारण है कि समर सीजन का सबसे बड़ा ट्रेंड कंफर्ट फैशन बन चुका है।

स्लाइडर्स-स्नीकर्स: इन गर्मियों में सबसे ज्यादा लोकप्रियता स्लाइडर्स और हल्के स्नीकर्स को मिल रही है। स्लाइडर यानी खुले रबर या फोम वाले आरामदायक फुटवियर। आजकल इन्हें युवा कैजुअल ड्रेसेस के साथ खूब पसंद कर रहे हैं। इन्हें एयरपोर्ट लुक, कॉलेज फैशन और ट्रैवल स्टाइल का भी तमगा मिल चुका है। गर्मियों में इन्हें पहनकर पैरों को पर्याप्त हवा मिलती रहती है। लड़कियां और लड़के दोनों ही इन्हें जींस, कुर्ती, ट्राउजर और यहां तक कि इंडो-वेस्टर्न ड्रेसेस के साथ भी पहन रहे हैं।

कोल्हापुरी-प्लेटफॉर्म चप्पलें: युवाओं के बीच इन गर्मियों में कोल्हापुरी, स्ट्रेपी सैंडल और प्लेटफॉर्म चप्पलों का ट्रेंड भी लौटकर आया है। वास्तव में गर्मियों में फुटवियर चुनते समय अब युवा फैशन के साथ-साथ हेल्थ को भी इंपॉर्टेंस देते हैं। डॉक्टरों का मानना है कि लंबे समय तक बहुत टाइट या भारी जूते पहनने से पैरों में पसीना और फंगल इंफेक्शन के कारण दर्द की समस्या परेशान करती है। यही कारण है कि सांस लेने योग्य यानी ब्रीदेबल मैटीरियल वाले फुटवियर की मांग भी है। यही कारण है कि फैब्रिक और लाइट फोम के बने फुटवियर इन गर्मियों में खूब पसंद किए जा रहे हैं।

ऑनलाइन शॉपिंग का असर: बाजार के जानकारों का मानना है कि फैशन केवल खरीदारों की मर्जी से नहीं बदलता बल्कि बाजार अपने को नया करते रहने के क्रम में खुद भी नए फैशन इंट्रोड्यूस करता है ताकि उसकी टारगेट बिक्री का सिलसिला बना रहे। यही कारण है कि इस साल ऑनलाइन शॉपिंग और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में भी अपनी बिक्री को नई ऊंचाइयां देने के लिए गर्मी के लिए कई तरह के फुटवियर लांच किए हैं। जो छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक में युवाओं को भा रहे हैं और ये उनकी ऑनलाइन शॉपिंग को भी अच्छी ड्राइव दे रहे हैं।

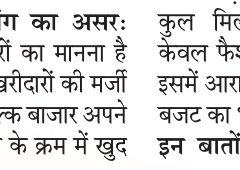

लेकिन ऑनलाइन बाजार बहुत स्मार्ट होता है। वह जानता है कि ऑनलाइन बाजार में वही चीज होगी, जो नई होगी, जिसमें फैशन और स्टाइल की ताजगी होगी और सबसे बड़ी बात जो बजट में होगी। कुल मिलाकर समर फुटवियर केवल फैशन तक सीमित नहीं है। इसमें आराम, स्वास्थ्य, मौसम और बजट का भी ध्यान रखा गया है।

इन बातों का रखें ध्यान: इस सीजन में फुटवियर खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखें। जैसे- बहुत टाइट जूते खरीदने से बचें। ऐसे मैटीरियल के फुटवियर चुनें, जिनमें हवा आर-पार आराम से होती हो। लंबे समय तक पहनने के लिए हल्के फुटवियर बेहतर होते हैं। ऐसे जूते न पहनें जिनको पहनने से पसीना आता हो। केवल फैशन नहीं, पैर के आराम का ध्यान रखना भी जरूरी है। *

अपने आरंभिक दौर से ही प्रेम हिंदी फिल्म मेकर्स का पसंदीदा सब्जेक्ट रहा है। शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से लेकर आज भी प्रेम कहानियों को बदलते रूपों में पेश किया जाता रहा है। प्रेम पर आधारित अलग-अलग दौर की कुछ फेमस फिल्मों पर एक नजर।

हर दौर में रहा बरकरार
लव-बेस्ड फिल्मों का जलवा

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

अपने आरंभिक दौर से लेकर आज तक भी प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय माना जाता रहा है। बॉलीवुड में बनी ज्यादातर फिल्मों की कहानियां प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही बुनी गई हैं। जब आम जिंदगी की प्रेम कहानियां पर्दे पर उतरती हैं, तो वे 'लार्जर देन लाइफ' यानी जिंदगी से बड़ी नजर आने लगती हैं। दर्शक फिल्मों के जरिए अपने ही अधूरे सपनों और कल्पनाओं को जीने की कोशिश करते हैं। यह बॉक्स ऑफिस पर रोमांटिक फिल्मों की सफलता का बड़ा कारण है। लेकिन प्रेम का स्वरूप फिल्मों में बदलता रहा है।

प्रेम का आदर्श रूप: 1930 से 1950 का दशक आदर्शवाद और सामाजिक बंधन का रहा। उस दौर में प्रेम कहानियों को सामाजिक बंधनों और पारिवारिक मूल्यों के आइने में देखा जाता था। 'देवदास' जैसी फिल्मों ने उस कालखंड में प्रेम, त्याग और सामाजिक वर्जनाओं के बीच के संघर्ष को बेहद आदर्शवादी और भावनात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया।

प्रेम का यथार्थवादी ढंग: 1960 से 1970 का दशक यथार्थवाद और समकालीनता का रहा। आजादी के शुरुआती दौर के बाद का यह दशक प्रेम कहानियों से दोबारा गुलजार हुआ। उस दौरान 'मुगल-ए-आजम', 'प्रेम कहानी' जैसी फिल्में बनीं। इस दौर की फिल्मों में प्यार के साथ-साथ व्यक्तिगत संघर्षों, दोस्ती और बदलते पारिवारिक ढांचों के जटिल पहलुओं को अधिक यथार्थवादी ढंग से पेश किया गया।

सिनेमाई रोमांस का सुनहरा दौर: 1980 से 1990 का दशक हिंदी सिनेमा में प्यार और रोमांस का स्वर्ण काल माना जा सकता है। 'मैंने प्यार किया' और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी फिल्मों ने युवा सोच को काफी प्रभावित किया। उस दौर की अधिकतर फिल्मों में प्रेम, संगीत, नृत्य और पारिवारिक मूल्यों का ऐसा मिश्रण हुआ करता था, जिसने प्रेम को एक बेहद सुखद और आशावादी दृष्टिकोण प्रदान किया।

प्रेम का आधुनिक-परिपक्व रूप: साल 2000 के बाद के दौर में फिल्मों में प्रेम कहानियों के साथ-साथ विविधता और सामाजिक मुद्दे उठाए गए। नई सदी आते ही प्रेम कहानियों में सामाजिक मुद्दे हावी होने लगे। 'गदर: एक प्रेम कथा' और 'तेरे नाम' जैसी फिल्मों ने दिखाया कि कैसे प्यार, देशभक्ति और सामाजिक संघर्षों के बीच पिसता है।

न्यू-जनरेशन के प्यार को परिभाषित करने के लिए 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ऐ हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेक अप सिड', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी 2', 'मसान' और 'तमाशा' जैसी कई सारी फिल्में आईं, जिसने प्यार के आधुनिक और परिपक्व रूपों को सामने रखा।

ताजी हवा के झोंके जैसी-सैयारा: आज के दौर में जहां बॉक्स ऑफिस और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स हिंसा, अपराध गाली-गलौज से भरी फिल्मों और वेब सीरीज से अटे पड़े हैं, वहां पिछले साल रिलीज फिल्म 'सैयारा' ताजी हवा के एक झोंके की तरह आई। दर्शक लंबे समय से पर्दे पर मेलोड्रामा और कोमल भावनाओं की कमी महसूस कर रहे थे। लंबे अर्से बाद सिनेमाघरों में ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने बॉलीवुड के सुनहरे दौर की याद दिला दी। 'सैयारा' की सहज प्रेम कहानी ने सीधे दर्शकों के दिलों को छू लिया।

बदलता रहा प्रेम का रूप: फिल्म इंडस्ट्री के सवा सौ साल के इतिहास में प्रवृत्तियां बदलती रहीं, तकनीक उन्नत होती रही और दर्शकों का मिजाज भी बदलता रहा। लेकिन 'मुगल-ए-आजम', 'देवदास' जैसी फिल्मों से होता हुआ यह रूहानी सफर आज 'सैयारा' तक आते-आते भी उतना ही प्रासंगिक और असरदार बना हुआ है। वक्त चाहे कितना भी बदल जाए, दिल को छूने वाली प्रेम आधारित फिल्में हमेशा दर्शकों की पसंद बनी रहेंगी। *

प्रेम आधारित फिल्मों से स्टार्स डेब्यू

हिंदी सिनेमा ने बार-बार नए चेहरों को लॉन्च करने के लिए प्रेम कहानियों का ही सहारा लिया है। रोमांटिक फिल्मों से करियर की शुरुआत करने वाले सितारों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। 'बॉबी' से ऋषि कपूर और डिंपल कपाड़िया की जोड़ी ने युवाओं को दीवाना बनाया। 'लव स्टोरी' के जरिए कुमार गौरव और विजेता पंडित रातों-रात स्टार बने। 'बेताब' से सनी देओल और अमृता सिंह तथा 'रॉकी' से संजय दत्त और टीना मुनीम ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन और रति अग्निहोत्री, तो 'कयामत से कयामत तक' में आमिर खान ने प्यार को नई परिभाषा दी। 'मैंने प्यार किया' से सलमान खान और भाग्यश्री की मासूमियत दर्शकों के दिलों में बस गई। यही सिलसिला आगे चलकर अजय देवगन-मधुश्री (फूल और कांटे), ऋतिक रोशन-अमीषा पटेल (कहो ना प्यार है), राहुल रॉय-अनु अग्रवाल (आशिकी), शाहिद कपूर-अमृता राव (इश्क-विश्क), दीपिका पादुकोण (ओम शांति ओम), रणवीर सिंह (बैंड बाजा बारात) और आलिया भट्ट-सिद्धार्थ मल्होत्रा व वरुण धवन (स्टूडेंट ऑफ द ईयर) के रूप में जारी रहा।